रूस-भारत बनाएंगे छठीं पीढ़ी... पेज 5

दैनिक कारखाने का सफर

मुकाबले के चक्कर में आदमी का जीवन एक कारखाने के समान हो गया है, आदमी का सबसे विश्वसनीय अखबार

बंद ताले से करें ये 4 टोटके.. पेज 7

वर्ष 6, अंक 147 | भोपाल, रविवार 7 दिसंबर, 2025 | पौष कृष्ण शुक्ल पक्ष, तृतीया, 2082 | मूल्य 2 रुपए

प्रदेश का सबसे बड़ा भोजपाल महोत्सव मेला में सांवरी सुरतिया हाथ में बसुरिया की प्रस्तुति से बांधा समा, जमकर थिरके लोग

भोजपाल उत्सव मेले में प्रसिद्ध भजन गायक अमित धुर्वे ने भगवान गणेश की स्तुति से भजनों की शुरुआत की, इसके बाद एक से बढ़कर एक सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

राजधानी के भेल दशहरा मैदान पर चल रहा भोजपाल महोत्सव मेला का मंच लगातार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से गुलजार हो रहा है। देश भर के विभिन्न प्रदेशों से आए कलाकार लोक नृत्यों की प्रस्तुति दे रहे हैं। शनिवार को प्रसिद्ध भजन गायक अमित धुर्वे ने भगवान गणेश की स्तुति से भजनों की शुरुआत की इसके बाद एक से बढकर एक सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी। शाम 7.30 बजे मुख्य अतिथि अश्वनी परांजपे, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष भाजपा, मेला अध्यक्ष सुनील यादव, संजोयक विकास वीरानी, महामंत्री हरीश कुमार राम, उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी, महेंद्र नामदेव, अखिलेश नगर सहित मेला टीम ने गणेश वंदना कर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। भोजपाल महोत्सव मेला के सांस्कृतिक मंच पर शनिवार को भजन गायक अमित धुर्वे ने अपने भजनों की प्रस्तुति दी। मैं तो हवा हूं किस तरह पहरे लगाओगे महसूस ही करोगे मुझे छू ना पाओगे जैसी सुमधुर भजनों से मेला मंच को गुलजार कर दिया। इसके बाद उन्होंने सांवरी सुरतिया हाथ में बसुरिया, बड़ा प्यारा लगे संसार, जैसे मंदिर दीपक बिन सूना, जय शंकर चंद्रभाल, चारों युगों में पूजे जाए, रुद्र अंश जो शिव का पाए जैसी सुमधुर भजनों की प्रस्तुति से लोगों को थिरकने पर मजबूर कर दिया।

कुमार सत्यम तुम्हारी दौलत नई-नई है की प्रस्तुति आजः तुम्हारी दौलत नई नई है, हम तेरे शहर में आए हैं मुसाफिर की तरह, आज फिर दिल ने एक तमन्ना की, चांदी जैसा रंग है तेरा, जैसी गीत, गजल और हमरी अटरिया, जैसी ठुमरी से श्रोताओं को रिझाने वाले संगीत जगत के उभरते हुए बहुमुखी प्रतिभा के धनी गायक कुमार सत्यम रविवार को भोजपाल महोत्सव मेला मंच पर अपनी प्रस्तुति देंगे। कुमार सत्यम कई गज़लें, भजन और सूफी कलाम गाए हैं। उनकी गायकी में सूफी, गज़ल, भजन और उप-शास्त्रीय संगीत के साथ ही महान गज़ल गायक मेहंदी हसन, गुलाम अली और राहत फतेह अली खान जैसी शैली का प्रभाव दिखाई देता है। वह अपने भावनात्मक जुड़ाव और शास्त्रीय संगीत की जड़ों से जुड़ी प्रस्तुतियों के लिए जाने जाते हैं। बिहार के बांका जिले के गोकुला गांव में रहने वाले भट्ट ब्राह्मण परिवार में जन्मे कुमार सत्यम संगीतकारों की 13वीं पीढ़ी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। कुमार सत्यम संगीत भास्कर की परीक्षा में ईस्ट इंडिया जोन में गोल्ड मेडलिस्ट (98.5 प्रतिशत) का खिताब जीत चुके हैं। हारमोनियम वादन में भी उत्कृष्ट हैं और यूथ फेस्टिवल में चैंपियन रह चुके हैं।

मेले में मिल रही विभिन्न वैरायटी : महामंत्री हरीश कुमार राम ने बताया कि मेले में हस्त निर्मित स्वदेशी मिट्टी के बर्तन और खिलौनों के साथ ही बनारस की साड़ी, सहारनपुर का वुडन, कश्मीर के ऊलन, भदोंही का कारपेट, राजस्थान की मेलामाइन क्रॉकरी, ग्वालियर की गजक की विभिन्न वैरायटी मिल रही है। 100 से ज्यादा खान- पान के स्टाल के साथ ही विभिन्न आयटमों की करीब 400 दुकानें हैं, जहां लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं। लोगों को मेले में एह ही स्थान पर जरूरत की हर प्रकार की सामग्री उपलब्ध है।

मेला टीम के नायक, संभाल रहे व्यवस्था : मेला टीम के सदस्य मेले की पूरी व्यवस्था संभाल रहे हैं। इनमें विनय कुमार, मो. जाहिद खान, सुनील शाह, मधु भवनानी, केश कुमार, चंदन वर्मा, दीपक शर्मा, गोपाल शर्मा, भूपेंद्र सिंह, मो. रेहान खान, दीपक बैरागी, देंवेंद्र चौकसे, सुनील वैष्णव, गौरव जैन, संदीप सहित मेला समिति से जुड़े अन्य लोग शामिल हैं।

हेम्टू इंटक ने स्व आर डी त्रिपाठी की प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित की श्रद्धांजलि सभा

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

मजदूरो के पुरोधा श्रमिको के आर्थिक क्रांति के लिए सदैव संघर्ष करने वाले मध्य प्रदेश इंटक के पूर्व अध्यक्ष स्व आर डी त्रिपाठी जी की प्रथम पुण्य तिथि पर हेम्टू इंटक यूनियन द्वारा 6 दिसंबर को शाम 4 बजे 5 नंबर फाउंड्री गेट पर श्रद्धान्जली सभा आयोजित की गई।श्रद्धान्जली सभा में यूनियन के कई पूर्व पदाधिकारी कई रिटायर कर्मचारी ठेका श्रमिक सोसाइटी कर्मचारी एवं सैकड़ो की संख्या में बीएचईएल कर्मचारी उपस्थित हुए। कार्यक्रम में भेल भोपाल कर्मचारी मशहूर भजन गायक जगदीश मरावी जी ने भजनों की शानदार प्रस्तुति देकर स्वर्गीय आर डी त्रिपाठी जी की यादो को ताजा कर दिया। पंडित जी राष्ट्रीय स्तर के नेता थे, वो सदैव मजदूरो के कल्याण हेतु किये गए कार्यो के कारण याद किये जायेगे।पंडित आर डी त्रिपाठी जी सदैव हम सबके दिलो में है और उनके बताये हुए रास्ते पर चलकर हेम्टू इंटक यूनियन सदैव मजदूरो श्रमिको के हितो की रक्षा हेतु तत्पर रहेगी। कार्यक्रम में उपस्थित श्री राजेश शुक्ला,

अध्यक्ष हेमटू इंटक, अजीत कुमार गोंड, महामंत्री, मिथलेश तिवारी कोषाध्यक्ष, इंटक प्रदेश उपाध्यक्ष राहुल त्रिपाठी, उपाध्यक्ष रामराज तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार के सी दुबे, वरिष्ठ पत्रकार आनंद सक्सेना, जे के पाठक, अशोक शर्मा, सी आर नामदेव, मीडिया प्रभारी इंटक, धर्मेंद्र अवस्थी उपाध्यक्ष, धर्मेन्द्र त्रिपाठी, वीरेश तिवारी, टी आर वाटक्या, सी एम साहू, प्रदीप मालवीय, सत्येंद्र शर्मा, राहुल भदौरिया, जितेंद्र मालवीय, राम मेहरा, सुरेश मेहरा, बुधमान सिन्हा, अजय राठिया, विजय नीलकंठ, अनुपराज पांडे, तरुणेंद्र तिवारी, चंद्रमणि, एवं इंटक के समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

10 दिसंबर से टैरिफ पर हो सकती है बात

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

भारत और अमेरिका अपने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के शुरुआती चरण पर काम में तेज़ी लाने के लिए 10 दिसंबर को नई दिल्ली में चर्चा शुरू करने वाले हैं। हालाँकि इसे औपचारिक वार्ता दौर नहीं माना जाएगा, लेकिन उम्मीद है कि इन बैठकों में समझौते को अंतिम रूप देने के लिए ज़रूरी प्रमुख मुद्दों पर चर्चा होगी। इस अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिका के उप-व्यापार प्रतिनिधि रिक स्वित्ज़र करेंगे। भारत द्वारा रूसी कच्चे तेल की खरीद के कारण कई भारतीय निर्यातों पर 25 प्रतिशत टैरिफ और 25 प्रतिशत अतिरिक्त दंडात्मक शुल्क लगाए जाने के बाद से यह अमेरिका का दूसरा दौरा है।

आगामी वार्ता दोनों देशों की राजधानियों के बीच निरंतर संपर्क का परिणाम है। अमेरिकी वार्ताकारों ने पिछली बार 16 सितंबर को भारत का दौरा किया था, जबकि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इस वर्ष मई में दो बार और फिर 22 सितंबर को चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए वाशिंगटन गए थे। समग्र वार्ता प्रक्रिया का नेतृत्व अमेरिका की ओर से दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए यूएसटीआर के सहायक ब्रेंडन लिंच और भारत के वाणिज्य विभाग की ओर से संयुक्त सचिव दर्पण जैन कर रहे हैं। यह चर्चाएँ और भी महत्वपूर्ण हो जाती हैं क्योंकि वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने हाल ही में कहा था कि भारत वर्ष के अंत से पहले अमेरिका के साथ एक रूपरेखा व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने को लेकर आशावादी है। इस तरह के एक रूपरेखा समझौते से भारतीय निर्यातकों को प्रभावित करने वाली टैरिफ बाधाओं में कमी आने की उम्मीद है।

आत्मविश्वास से सराबोर भारत, बना वैश्विक अर्थव्यवस्था का 'ग्रोथ इंजन'

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया अनिश्चितताओं से भरी है, भारत एक अलग लीग में दिखाई दे रहा है। 'एचटी लीडरशिप समिट' में प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आत्मविश्वास से भरा है; जब दुनिया आर्थिक सुस्ती की बात करती है, भारत विकास गाथा लिखता है। उन्होंने कहा कि जब विश्व में विश्वास का संकट है, तो भारत भरोसे का स्तंभ है; जब दुनिया टुकड़ों में बंटी है, तो भारत सेतु का काम करता है। प्रधानमंत्री ने स्टार्टअप 'स्काईरूट' का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ने देश में अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधार किये हैं, इसके युवा अब नये भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था का प्रमुख विकास इंजन बन रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि भारत में हो रहा परिवर्तन केवल संभावनाओं के बारे में नहीं है। यह बदलते जीवन, विकसित होती मानसिकता और एक नई दिशा में

बढ़ते राष्ट्र की सच्ची कहानी है। आज हमारे संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस भी है। मैं सभी भारतीयों की ओर से उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

मोदी ने कहा कि आज हम ऐसे दौर में खड़े हैं जब इक्कीसवीं सदी का एक-चौथाई हिस्सा बीत चुका है। इन पच्चीस वर्षों में, दुनिया ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। इसने वित्तीय संकट देखे हैं। इसने एक वैश्विक महामारी का सामना किया है। इनमें से प्रत्येक स्थिति ने किसी न किसी रूप में वैश्विक समुदाय के लिए चुनौती पेश की है। अनिश्चितता के माहौल के बीच, हमारा राष्ट्र अपनी अलग पहचान बना रहा है। भारत गहरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की दूसरी तिमाही की 8.2 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि का उल्लेख किया और कहा कि भारत विश्वास के स्तंभ के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा, "जब दुनिया मंदी की बात करती है, तब भारत विकास की गाथा लिख रहा है। जब दुनिया विश्वास के संकट से जूझ रही है, तब भारत विश्वास का स्तंभ बनकर उभर रहा है। जब दुनिया विखंडन की ओर बढ़ रही है, तब भारत एक सेतु का काम कर रहा है। भारत के लिए दूसरी तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के आँकड़े आठ प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्शाते हैं, जो हमारी प्रगति में एक नई गति को दर्शाता है।"

मोदी ने कहा कि ये केवल संख्याएँ नहीं हैं। ये मज़बूत व्यापक आर्थिक संकेत हैं। ये बताते हैं कि भारत आज वैश्विक अर्थव्यवस्था के एक प्रमुख विकास चालक के रूप में उभर रहा है। आज, जब हम कल के परिवर्तन पर चर्चा कर रहे हैं, तो यह स्पष्ट है कि हम जिस परिवर्तन की आकांक्षा रखते हैं, वह वर्तमान के कार्यों द्वारा निर्मित मज़बूत नींव में दृढ़ता से निहित है। आज हम जो सुधार कर रहे हैं और जो प्रदर्शन कर रहे हैं, वे हमारे कल के परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

सरकार की लास्ट वॉर्निंगः 7 दिसंबर तक रिफंड-क्लियर करो, 48 घंटे में सामान घर पहुंचाओ

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने शनिवार को सभी घरेलू इकोनॉमी क्लास उड़ानों के लिए अधिकतम किराया सीमा को सख्त कर दिया। अधिकारियों ने कहा कि इंडिगो के परिचालन संकट के कारण कई दिनों से चल रही बड़ी संख्या में उड़ानों के रद्द होने और क्षमता की कमी के बाद यात्रियों की सुरक्षा के लिए यह कदम ज़रूरी था। नई किराया सीमाएँ तुरंत प्रभाव से दूरी के आधार पर लागू होंगी।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय (MoCA) ने इंडिगो को अगले 48 घंटों के भीतर उड़ान रद्द या देरी के कारण अलग किए गए सभी यात्रियों के सामान का पता लगाने और डिलीवरी करने का भी आदेश दिया। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने एयरलाइन को 7 दिसंबर की रात 8 बजे तक बाधित या रद्द उड़ानों के सभी लंबित रिफंड का भुगतान करने का भी निर्देश दिया। मंत्रालय ने इंडिगो को प्रभावित

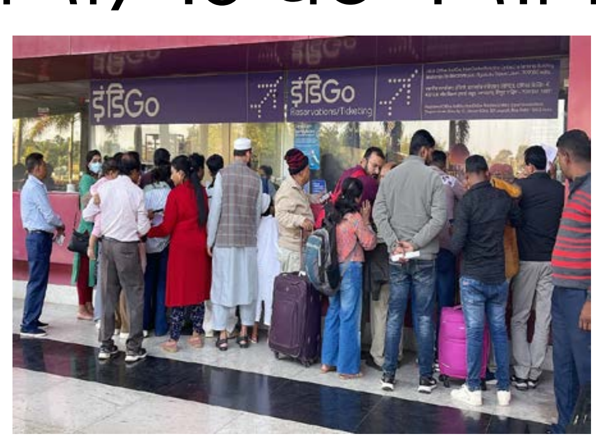

यात्रियों से कोई पुनर्निर्धारण शुल्क नहीं लेने और यात्रियों की सक्रिय सहायता के लिए समर्पित सहायता और रिफंड सुविधा प्रकोष्ठ स्थापित करने का निर्देश दिया। एयरलाइनों को सामान की ट्रैकिंग और डिलीवरी के संबंध में स्पष्ट संचार बनाए रखने और जहाँ लागू हो, मुआवज़ा प्रदान करने के लिए कहा गया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने वरिष्ठ नागरिकों, विकलांग व्यक्तियों, छात्रों और तत्काल चिकित्सा यात्रा वाले यात्रियों के लिए सुचारू सुविधा सुनिश्चित करने के लिए मजबूत निगरानी पर जोर दिया, जबकि पूर्ण परिचालन सामान्यता बहाल करने के प्रयास जारी हैं। जैसे-जैसे संकट गहराता गया, इंडिगो ने 5 से 15 दिसंबर 2025 के बीच यात्रा के लिए रद्दीकरण और पुनर्निर्धारण शुल्क पर पूरी छूट की घोषणा की। एयरलाइन ने कहा कि रिफंड स्वचालित रूप से मूल भुगतान विधि में संसाधित हो जाएगा, यात्रियों को कोई कार्रवाई करने की आवश्यकता नहीं होगी। इस उपाय का उद्देश्य बड़े पैमाने पर व्यवधानों के जारी रहने के दौरान "अधिकतम लचीलापन" प्रदान करना है।

दैनिक कारखाने का सफर अखबार का संपादकीय कार्यालय

गोबिंद टॉवर, क्वालिटी रेस्टोरेंट के पास, एसबी स्टूडियों के ऊपर पिपलानी पेट्रोल पंप के पास, सोनागिरी चौराहा रायसेन रोड भेल भोपाल। मोबाइल नंबरः 9826035849, 9425006706

अगले 2 दिन चलेगी शीतलहर, भोपाल-इंदौर समेत 26 शहरों में 10 से नीचे पारा, सर्द हवाओं से ठिठुरन

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

सर्द हवाओं से पूरा मध्यप्रदेश ठिठुर गया है। बीती रात भोपाल, इंदौर, ग्वालियर समेत एमपी के 26 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे रहा। वहीं, 14 दिन बाद प्रदेश में शीतलहर यानी, कोल्ड वेव और कोल्ड डे का असर है। मौसम विभाग ने अगले 2 दिन शीतलहर चलने का अलर्ट जारी किया है। रविवार को भोपाल, सीहोर, राजगढ़ और सीहोर में शीतलहर चलने का अलर्ट है। वहीं, सोमवार को भोपाल, राजगढ़, शाजापुर, सीहोर, सिवनी और शहडोल में कोल्ड वेव चलेगी। मौसम विभाग के अनुसार, वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह की पहाड़ी राज्य- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी-बारिश हुई है। यहां से सर्द हवाएं एमपी में आ रही है। पिछले 2 दिन से सर्द हवाएं चल रही हैं। 24 घंटे के दौरान भोपाल, राजगढ़, सीहोर, शाजापुर और शहडोल में शीतलहर का असर देखने को मिला। वहीं, इंदौर, सिवनी, शाजापुर, नरसिंहपुर और बैतूल में ठंडा दिन रहा। शनिवार को भी कई शहरों में कोल्ड वेव की स्थिति बनी रही। जिससे दिन में ही ठिठुरन बनी रही। भोपाल में शीतलहर से जनजीवन पर भी असर देखने को मिला।

पिछले 2 दिन से ग्वालियर, चंबल, उज्जैन और सागर संभाग में शीतलहर का सबसे ज्यादा असर देखा गया। उत्तर से सर्द हवाएं सीधे यहां आ रही हैं। इसलिए अन्य जिलों की तुलना में यहां सर्दी ज्यादा है। दिन-रात दोनों ही ठंडे हैं।

शुक्रवार-शनिवार की रात में एमपी में पहली बार पारा 5 डिग्री से नीचे आ गया। कुल 26 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे रहा। शहडोल का कल्याणपुर सबसे ठंडा रहा। यहां पर न्यूनतम तापमान 4 डिग्री दर्ज किया गया। उमरिया में 4.8 डिग्री, राजगढ़ में 5 डिग्री, रीवा में 5.4 डिग्री, छतरपुर के नौगांव में 5.7 डिग्री और खजुराहो में 6.4 डिग्री, रायसेन में 7.4 डिग्री, दमोह-सतना में 7.5 डिग्री, मंडला में 8 डिग्री, मलाजखंड में 8.1 डिग्री, दतिया में 8.3 डिग्री, गुना में 8.4 डिग्री, बैतूल में 8.5 डिग्री, सीधी में 8.6 डिग्री, छिंदवाड़ा में 8.8 डिग्री, धार में 9.1 डिग्री, श्योपुर, सिवनी-नरसिंहपुर में 9.4 डिग्री, सागर में 9.9 डिग्री रहा।

इन दिनों रात के साथ दिन भी ठंडे हैं। शनिवार को अधिकांश शहरों में पारा 25 डिग्री से नीचे रहा। सबसे ठंडा बालाघाट का मलाजखंड रहा। यहां अधिकतम तापमान 21.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सिवनी में 23.2 डिग्री, रीवा, बैतूल-नरसिंहपुर में 24 डिग्री, पचमढ़ी में 24.2 डिग्री, धार-श्योपुर में 24.4 डिग्री, भोपाल-सीधी में 24.6 डिग्री, दतिया-टीकमगढ़ में 24.7 डिग्री दर्ज किया गया।

मौसम विभाग की माने तो इस बार सर्दी का असर तेज रहा है। भोपाल में नवंबर की सर्दी का 84 साल का रिकॉर्ड टूट चुका है, जबकि इंदौर में 25 साल में सबसे ज्यादा ठंड पड़ी है। ऐसी ही सर्दी दिसंबर में भी रहेगी।

इस बार नवंबर में सर्दी रिकॉर्ड तोड़ चुकी है। भोपाल में लगातार 15 दिन तक शीतलहर चली। रिकॉर्ड के अनुसार, साल 1931 के बाद शीतलहर के यह सबसे ज्यादा दिन है। दूसरी ओर, 17 नवंबर की रात में पारा 5.2 डिग्री तक पहुंच गया, जो ओवरऑल रिकॉर्ड भी रहा। इससे पहले 30 नवंबर 1941 में तापमान 6.1 डिग्री रहा था। इंदौर में भी पारा 6.4 डिग्री ही रहा। यहां भी सीजन की सबसे सर्द रात रही।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन बताती हैं, इस बार उत्तरी राज्यों में नवंबर के पहले ही सप्ताह में बर्फबारी होने लगी। इस वजह से ठंडी हवाएं प्रदेश में पहुंची। आखिरी सप्ताह में हवा की दिशा बदल गई। जिससे ठंड का असर कम रहा है।

मौसम विभाग के अनुसार, जिस तरह मानसून के चार महीने (जून, जुलाई, अगस्त और सितंबर) में से दो महीने जुलाई-अगस्त महत्वपूर्ण रहते हैं और इन्हीं में 60 प्रतिशत या इससे अधिक बारिश हो जाती है, ठीक उसी तरह दिसंबर और जनवरी में कड़ाके की ठंड पड़ती है। इन्हीं दो महीने में प्रदेश में उत्तर भारत से सर्द हवाएं ज्यादा आती हैं। इसलिए टेम्प्रेचर में अच्छी-खासी गिरावट आती है। सर्द हवाएं भी चलती हैं। पिछले 10 साल के आंकड़े यही ट्रेंड बताते हैं। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के एक्टिव होने से दिसंबर में मावठा भी गिरता है। इससे दिन में भी सर्दी का असर बढ़ जाता है।

मौसम का ट्रेंड देखें तो दिसंबर में स्ट्रॉन्ग वेस्टर्न डिस्टर्बेंस आते हैं। वहीं, उत्तरी हवाएं आने से दिन-रात के तापमान में गिरावट होती है। इस बार भी यही अनुमान है।

मौसम केंद्र भोपाल के रिटायर्ड डायरेक्टर डीपी दुबे के अनुसार, वैश्विक मौसम मॉडल (विश्व मौसम संगठन, भारत मौसम विज्ञान विभाग आदि) संकेत दे रहे थे कि इस बार ला नीना सक्रिय रहेगा। ला नीना का मतलब, प्रशांत महासागर का ठंडा होना। जैसे ही समुद्र ठंडा होता है, हवा और ज्यादा ठंडी होकर एशिया-भारत की ओर दबाव से धकेली जाती है। यह वही ठंड है, जिसने नवंबर से ही मध्य भारत को जकड़ लिया।

इस बार उत्तर भारत में हिमाचल, उत्तराखंड और कश्मीर में बर्फबारी सामान्य से काफी पहले शुरू हो गई। ऊंचे पर्वतीय इलाकों की जल्दी बर्फबारी मध्य भारत की ठिठुरन को 20 से 30% तक बढ़ा देती है।

ठंड का असर सिर्फ सतह तक नहीं रहा। इस साल ग्वालियर-चंबल, भोपाल-विदिशा, रतलाम-मंदसौर, सागर-दमोह इन चार बड़े मौसम जोन में ठंडी हवाएं 20 से 25% ज्यादा गहराई तक घुस आईं। पश्चिमी विक्षोभ जब सक्रिय होता है, तो हल्की सर्दी की बारिश (मावठा) होती है। तापमान 4 से 6 डिग्री तक गिर जाता है। इसीलिए भोपाल, उज्जैन, मंदसौर, रतलाम में बारिश ठंड को तेज करेगी। इंदौर-देवास, भोपाल-सीहोर, ग्वालियर-मुरैना में दिन का पारा कई बार 4 से 6 डिग्री तक गिरकर कोल्ड-डे ला सकता।

भोपाल में दिन-रात ठंड और बारिश का ट्रेंड रहा है। 10 में से पिछले 5 साल से भोपाल दिसंबर में भीग रहा है। आधा से पौन इंच तक बारिश हो गई। इस बार भी बारिश होने के आसार हैं। दिसंबर में ठंड की बात करें तो 11 दिसंबर 1966 की रात में पारा 3.1 डिग्री पहुंच गया था। यह अब तक का ओवरऑल रिकॉर्ड है।

कमला नेहरू बाल उद्यान एवं डॉ. आम्बेडकर पार्क में बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रृद्धांजलि अर्पित की

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

बीएचईएल, भोपाल में भारतरत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर प्रदीप कुमार उपाध्याय, महाप्रबंधक एवं इकाई प्रमुख, बीएचईएल, भोपाल, टी यू सिंह, महाप्रबंधक (मा.सं.), सहित सभी महाप्रबंधकों ने कमला नेहरू बाल उद्यान एवं डॉ. आम्बेडकर पार्क, बरखेड़ा में बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रृद्धांजलि अर्पित की । कार्यक्रम में एससी/एसटी/ओबीसी के पदाधिकारी, सभी ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधि तथा भारी संख्या में कर्मचारी उपस्थित थे । डॉ. आम्बेडकर पार्क बरखेड़ा में आयोजित प्रार्थना सभा में उपाध्याय ने कहा कि भारतीय समाज के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण दिन है । इस दिन हम भारतीय संविधान के जनक और समाज सुधारक बाबा साहेब की याद में उनके योगदान और जीवन के आदर्शों का स्मरण करते हैं जिन्होंने भारत की लोकतांत्रिक संरचना को नवीन दिशा दी । उन्होंने जीवन भर समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए अथक संघर्ष किया ।

69वें परिणिर्वाण दिवस पर श्रमिक कांग्रेस नेता दीपक गुप्ता ने बाबा साहिब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

संविधान निर्माता डॉ भीमराव अम्बेडकर जी के 69वें परिणिर्वाण दिवस पर उनकी प्रतिमा पर श्रमिक कांग्रेस नेता दीपक गुप्ता ने माल्यार्पण किया और कहा की इस दिन को महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है। आज का दिन हमारे लिए देश के प्रति हमारे अधिकारों और कर्तव्यों की याद दिलाता है। ऐसे महामानव के विचारों को हमें अपने जीवन में उतारना चाहिए दीपक गुप्ता ने कहा कि हम सभी को सदैव शिक्षित और संगठित रहना चाहिए। ओर संघर्ष करना चाहिए परीनिर्वाण दिवस के पावन अवसर पर महामानव को विनम्र अभिवादन करता हुं। इस अवसर पर रामपाल धौंसलें, कौशल जी, पार्थसारथी दादा, अरुण कुमार, सुशील प्रजापति, बाबा बंजारे, उपेंद्र सिंह, सहित सैकड़ों कांग्रेस जन शामिल हुए।

जीएमसी की हिंसक घटना की विभाग को भेजी रिपोर्ट... रैगिंग के एंगल से भी होगी जांच

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) भोपाल में हुई हिंसा की गंभीर घटना अब सिर्फ कैंपस तक सीमित नहीं रही। कॉलेज प्रबंधन ने पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट चिकित्सा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को भेज दी है, जिसके बाद यह मामला अब राज्य स्तर पर पहुंच गया है। रिपोर्ट में घटना की पूरी टाइमलाइन, घायल छात्रों की मेडिकल स्थिति, नामजद आरोपियों की सूची और कॉलेज स्तर पर की गई प्रारंभिक कार्रवाई का उल्लेख भी किया गया है। इस रिपोर्ट के बाद विभागीय स्तर पर जांच और निगरानी और सख्त होने की संभावना है। इस घटना को एक चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि यह मामला मेडिकल कॉलेजों में छात्र सुरक्षा और एंटी-रैगिंग सिस्टम की पोल खोलता नजर आ रहा है। पूरे प्रकरण की विस्तृत रिपोर्ट चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों को सौंप दी गई है। जीएमसी प्रबंधन द्वारा भेजी गई रिपोर्ट के अनुसार, 4 दिसंबर की रात कैंपस स्थित सुधामृत कैंटीन में दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। यह विवाद मैगी बनवाने को लेकर शुरू हुआ, लेकिन कुछ ही मिनटों में यह गंभीर मारपीट में बदल गया। जिसके बाद घायल युगीन चौधरी को तत्काल हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां अब भी उनकी निगरानी की जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार विवाद की मुख्य वजह डे स्कॉलर और हॉस्टलर्स के बीच का टशन था। कॉलेज प्रबंधन द्वारा भेजी गई रिपोर्ट में उन छात्रों के नाम भी शामिल हैं, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस घटना में शामिल बताए गए हैं। इनमें एमबीबीएस 2023 बैच और 2024 बैच के कई छात्रों के नाम दर्ज किए गए हैं। रिपोर्ट में यह स्पष्ट किया गया है कि यह कृत्य "गंभीर अनुशासनहीनता" की श्रेणी में आता है और इसे केवल सामान्य छात्र विवाद नहीं माना जा सकता। चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों को यह भी बताया गया है कि कॉलेज स्तर पर तत्काल आपात बैठक बुलाकर प्राथमिक जांच शुरू कर दी गई थी और प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए छात्रों को अस्थायी रूप से निलंबित किया गया है। रिपोर्ट मिलने के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग भी हरकत में आ गया है। विभाग अब इस पूरे मामले की स्वतंत्र जांच पर विचार कर रहा है। यह भी संभावना जताई जा रही है कि एक राज्य स्तरीय समिति गठित की जा सकती है, जो यह जांच करेगी कि कॉलेज में एंटी-रैगिंग गाइडलाइन्स का कितना पालन हो रहा है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की मनाई पुण्यतिथि

राज्यमंत्री डॉ टेटवाल ने डॉ भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की

दैनिक कारखाने का सफर। सारंगपुर

सारंगपुर नगर के ओल्ड एबी रोड स्थित अम्बेडकर पार्क में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा महापरिनिर्वाण दिवस (पुण्यतिथि) पर भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान राज्यमंत्री डॉ गौतम टेटवाल ने कहा कि डॉ. अंबेडकर जी द्वारा राष्ट्र के लिए दिए गए अमूल्य योगदान, सामाजिक समरसता, समानता और न्याय के उनके आदर्श आज भी हमारी प्रेरणा हैं।इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष महेश पुष्पद, नपा अध्यक्ष पंकज पालीवाल, नपा उपाध्यक्ष प्रतिनिधि निलेश

वर्मा,पार्षद प्रतिनिधि कुलदीप राठौर,बाबूलाल अहिरवार,अमित गिरजे,अमित सक्सेना,दिनेश शर्मा,श्री विष्णु पाटीदार,हिम्मत सिंह जामालिया

,नवीन रुणवाल,राजेश बंसल,दीपक पुष्पद, सहित सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने महानायक को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

गतांग से आगे... लोक कल्याण हेतु दादाजी का अवतरण

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

सांईंखेड़ा" स्थान का नाम सुनने में ऐसा प्रतीत होता है कि साधू महात्माओं का गाँव हो, जहाँ पर कई महान आत्माओं ने अपनी लीलायें की। जैसे-जैसे समय व्यतीत होता गया, दादाजी भी बड़े होने लगे और उनके साथ कुछ असमान्य घटनाऐं घटित होने लगी। उस समय गाँवों में पोरा नामक पर्व बड़े उल्लास से मनाया जाता था। इस पर्व में घरों में मिट्टी के बैलों का पूजन किया जाता है । इस पर्व पर दादाजी के पिता भी पूजन के लिये मिट्टी के बैल लेकर आये । पूजन समाप्त करके दादाजी के पिता घर आये मित्र से मिलने आँगन में चले जाते हैं और उनकी माता रसोई में चली जाती हैं। परन्तु दादाजी उसी पूजन के स्थान पर बैलों को देखते रहते हैं । फिर वे उस मिट्टी के बैल के गले में बांधी।

रस्सी से उस बैल को खींचने का प्रयत्न करते हैं। ऐसा करने पर वह बैल जमीन पर गिर जाता है। तब दादाजी ने उस बैल को उठाकर पुनः उसके स्थान पर रखते हुये कहा, "हे भगवान ! काश ये बैल चल सकता।'' दादाजी के इतना कहते ही वह बैल दो कदम आगे की ओर बढ़ा है। बचपन में इस लीला को न समझते हुये दादाजी उल्लास से अपने पिता के पास पहुंचते हुए चिल्लाते हैं, "बैल चल गया, बैल चल गया।" यह सुनकर दादाजी के पिता ने उन्हें डांटते हुये कहा, "क्यों बेकार में चिल्ला रहा है । मिट्टी का बैल भी कभी चलता है।" इस पर दादाजी ने पुनः कहा, "नहीं ! पिता जी सच में बैल चला था। 'यह सुन उनके पिता ने उन्हें एक थप्पड़ मार दिया। दादाजी रोते हुये वहां से चले

गये। कुछ समय पश्चात् जब दादाजी के पिता पूजन के स्थान पर जाते हैं तो वहाँ रखे बैल के पैर को देखकर आश्चर्यचकित हो गये । वह बैल

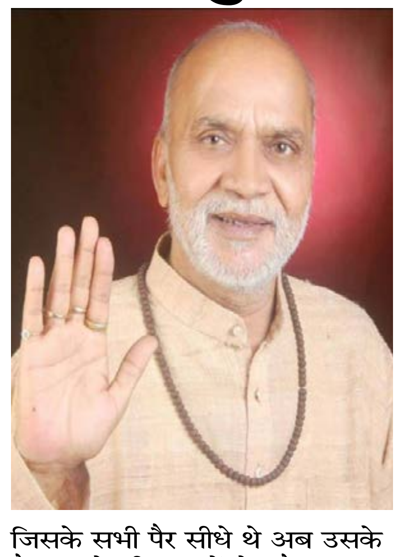

जिसके सभी पैर सीधे थे अब उसके पैर चलने की मुद्रा में थे और वह अपने स्थान से कुछ आगे की ओर भी बड़ा होता है। यह देख दादाजी के पिता मन में सोचते हैं कि, "मैं तो सीधे पैर वाला बैल लाया था, इसके पैर टेढ़े कैसे हो गये ।"

दादाजी प्रतिदिन नहाने के लिये दूधी नदी जाया करते थे । वहाँ नहाते समय जो भी भगवान शिव की पिंडी के समान पत्थर मिलते थे, वे उन्हें अपने साथ घर लाकर पूजन के स्थान पर रख देते थे। दादाजी उन पिंडियों की रोज पूजन किया करते थे। वर्षा ऋतु के समय एक दिन दादाजी को बहुत तेज बुखार आया। तब दादाजी ने घर में पूजन के स्थान पर खड़े होकर भगवान से कहा, "हे भगवान ! मैं तुम्हारी इतनी पूजन करता हूँ, फिर भी मेरा बुखार ठीक नहीं हो रहा है । " वे दो-तीन दिन तक तेज बुखार पीड़ित रहे परन्तु बुखार ठीक ही नहीं हुआ। तब दादाजी गुस्से में उन सारी पिंडियों को उठाकर घर से बाहर फेंक देते हैं और अपने बिस्तर पर आकर सो जाते हैं। प्रातः जब दादाजी उठते हैं तो वे पाते हैं कि उनका बुखार पूर्ण रूप से ठीक हो चुका है। दादाजी पुनः पूजन के स्थान पर जाते हैं तो देखते हैं कि वे पिंडियाँ वहीं उसी स्थान पर रखी हुई हैं। यह देख दादाजी के मन में विचार आता है कि शायद पिताजी ने ये पिंडियाँ उठाकर पूजन के स्थान पर रख दी हैं। यह पूछने के लिये दादाजी अपने पिता के पास जाते हैं। दादाजी ने अपने पिता से पूछा "पिताजी ! क्या आपने मेरे भगवान को रास्ते से उठाकर वापस रख दिया है ?" उन्होंने उत्तर दिया, "मैं क्यों तेरे भगवान को उठाकर रखूँगा। मुझे तेरे भगवान से कोई लेना देना नहीं है।" दादाजी को एक बार फिर भगवान की उन पर कृपा का अहसास हुआ है और भगवान के प्रति उनकी आस्था और भी गहन हो गई ।

शीतल दास की बगिया में गूंजा जय श्रीराम का उद्घोष, हनुमान चालीसा पाठ और श्रद्धांजलि के साथ मनाया गया शौर्य दिवस

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोपाल स्थित शीतल दास की बगिया में जाग्रत हिंदू मंच द्वारा शौर्य दिवस को पूरी श्रद्धा, ऊर्जा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम स्थल को धार्मिक झंडों और प्रतीकों से सजाया गया था। "जय श्रीराम" के नारों और भगवा ध्वजों से पूरा वातावरण भक्तिमय नजर आया।

सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ और आरती से हुआ शुभारंभ : आयोजन की शुरुआत सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ से की गई, इसके पश्चात भगवान श्री हनुमान जी की विधिवत पूजा-अर्चना और आरती की गई। उपस्थित श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्वलन कर प्रभु से राष्ट्र की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। पूजा के दौरान पूरा स्थल भक्ति भाव से सराबोर हो गया।

कोठारी बंधुओं को श्रद्धांजलि, कार सेवकों को नमन : इस अवसर पर राम मंदिर आंदोलन में शहीद हुए कोठारी बंधुओं को विशेष श्रद्धांजलि दी गई। वक्ताओं ने कहा कि उनका बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। साथ ही देशभर के कार सेवकों को नमन करते हुए कहा गया कि उनके साहस और समर्पण के कारण ही आज राम मंदिर का सपना साकार हुआ है।

राम मंदिर करोड़ों हिंदुओं की आस्था का केंद्र : डॉ केसवानी : कार्यक्रम में जाग्रत हिंदू मंच के संरक्षक डॉ. दुर्गेश केसवानी ने भावनात्मक और ओजस्वी भाषण दिया। उन्होंने कहा कि, "यह दिन केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि हिंदू समाज के संघर्ष, त्याग और विजय का प्रतीक है। 500 वर्षों की तपस्या, संघर्ष और बलिदान के बाद प्रभु श्रीराम को उनका भव्य और दिव्य मंदिर प्राप्त हुआ है। यह मंदिर केवल ईंट-पत्थर का ढांचा नहीं, बल्कि यह करोड़ों हिंदुओं की आस्था, भक्ति और स्वाभिमान का केंद्र है।"

डॉ. केसवानी ने आगे कहा कि, "मुगल आक्रांताओं ने योजनाबद्ध तरीके से हमारे मंदिरों को तोड़कर हमारी संस्कृति को खत्म करने का प्रयास किया, लेकिन वे हमारी आत्मा और हमारी आस्था को नहीं मिटा सके। स्वतंत्रता के बाद भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ राजनीतिक दल, विशेष रूप से कांग्रेस और उनके सहयोगियों ने राम मंदिर का सदैव विरोध किया। उन्होंने हिंदुओं की भावनाओं को आहत किया, लेकिन आज वही भावनाएं विजय के रूप में साकार हुई हैं।" उन्होंने कहा कि, "आज रामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान हैं और यह उन सभी शक्तियों को करारा जवाब है जो भारत की सनातन परंपरा को कमजोर करना चाहती थीं। अब समय आ गया है कि हिंदू समाज एकजुट होकर अपनी संस्कृति की रक्षा करे और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाए।"

युवा पीढ़ी को दिया जागरण का संदेश : डॉ. केसवानी ने विशेष रूप से युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि, "आज का युवा अपने इतिहास को जाने, अपने गौरव को पहचाने और अपनी जड़ों से जुड़े। शौर्य दिवस हमें सिखाता है कि जब समाज संगठित होता है, तो वह किसी भी शक्ति से बड़ा बन जाता है।"

देश सांस्कृतिक उत्थान की ओर बढ़ रहा : सुनील जैन : कार्यक्रम में अधिवक्ता सुनील जैन ने कहा कि, "भगवान श्रीराम के अयोध्या में विराजमान होने से देश सांस्कृतिक उत्थान की ओर बढ़ रहा है। यह केवल धार्मिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना का पुनर्जागरण है।"

राजा भैया ने बताया गौरव का प्रतीक : राजा भैया ने कहा कि, "शौर्य दिवस मनाना हर हिंदू के लिए गर्व की बात है। यह दिन हमें बताता है कि हम पराजित होने के लिए नहीं, बल्कि विजयी होने के लिए जन्मे हैं।"

संकल्प और राष्ट्र प्रार्थना के साथ समापन : कार्यक्रम के अंत में राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक संरक्षण के लिए सामूहिक प्रार्थना की गई। उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया कि वे सनातन संस्कृति की रक्षा और समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

इस अवसर पर अनिल मोटवानी,मनोज अहिरवार,पंडित राजीव द्विवेदी,विवेक पांडे, अशोक यादव जी प्रकाश साहू गोलू गोस्वामी अनुपम शर्मा आकाश सिलावट राठौर देवेंद्र यादव ट्विंकल शाहिद सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इंडस्ट्री प्रो द्वारा बीएचईएल भोपाल में अत्याधुनिक ऑटोमेशन टेक्नोलॉजी पर सेमिनार

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

इंडस्ट्री प्रो ने आज भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (BHEL), भोपाल में नवीनतम औद्योगिक ऑटोमेशन तकनीक पर एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया। सेमिनार में आशीष औरंगाबादकर (GM) की विशेष उपस्थिति रही, जिनके मार्गदर्शन ने सत्र को और अधिक प्रभावी बनाया। साथ ही बीएचईएल के विभिन्न विभागों से महाप्रबंधक (GM), उप महाप्रबंधक (DGM) सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इंडस्ट्री प्रो ने अपनी 360 डिग्री सॉल्यूशन्स क्षमता को प्रस्तुत करते हुए SCADA, IT-OT इंटीग्रेशन, इंडस्ट्रियल डिजिटलाइजेशन, क्रेन मॉनिटरिंग, तथा महत्त्वपूर्ण औद्योगिक उपकरणों की रिपेयरिंग एवं सर्विसिंग जैसे प्रमुख विषयों को कवर किया।

प्रतिभागियों ने इस सत्र को अत्यंत रोचक, उपयोगी और ज्ञानवर्धक बताया। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने न केवल वर्तमान तकनीकों बल्कि भविष्य की इंडस्ट्री आवश्यकताओं पर भी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। कंपनी की ओर से रोहित सिंवर, जयेश शिवरामनी, एवं राजेश नायर ने सभी पहलुओं का विस्तार से चर्चा की एवं जिज्ञासाओं का समाधान किया।

इंडस्ट्री प्रो का उद्देश्य है कि भारतीय उद्योगों को बेहतर उत्पादकता, सुरक्षा और लागत अनुकूलन के लिए आधुनिकतम ऑटोमेशन समाधान उपलब्ध कराए जाएँ, जिससे उद्योग 4.0 की दिशा में देश की प्रगति तेज़ी से आगे बढ़े।

इंडस्ट्री प्रो ने भविष्य उन्मुख तकनीकी सीख एवं पहल के लिए बीएचईएल प्रबंधन को हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। वहीं कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु बीएचईएल प्रबंधन और सभी प्रतिभागियों ने इंडस्ट्री प्रो टीम की सराहना की। इंडस्ट्री प्रो टीम तकनीकी सेमिनार के समन्वय के लिए विवेक सिंह यादव (डीजीएम) और भूपेंद्र मिश्रा (वरिष्ठ प्रबंधक) का भी हार्दिक धन्यवाद करती है।

करियर कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग के विद्यार्थियों ने तैयार किया प्रोटीन कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

करियर कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग में प्रैक्टिकल सेशन के अंतर्गत नर्सिंग के विद्यार्थियों के लिए "लर्निंग हेल्थ कुकिंग फॉर बेटर पेशेंट केयर" पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न तरह के मरीजों के लिए किस तरह का आहार होना चाहिए बताते हुए अलग-अलग तरह के व्यंजन तैयार किए गए। जिसमें विद्यार्थियों ने डायबिटीज, हाइपरटेंशन एनीमिया, अंडरवेट, विनिंग डाइट और लेक्टेटिंग मदर, प्रेगनेंट वूमेन के लिए डाइट बनाई।

इस अवसर पर प्रिंसिपल प्रोफेसर सोनी टोपो मैडम ने विद्यार्थियों को बताया कि किस पेशेंट के भोजन में कितनी कैलोरी कितना वसा और प्रोटीन कार्बोहाइड्रेट होना चाहिए। नर्सिंग ट्यूटर सुश्री प्रिया गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में सभी विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता करते हुए रोचक और स्वादिष्ट भोजन तैयार किया। इस अवसर पर विभाग की अप्सरा कौसर हाशिम अली हमीदा कुरैशी उपस्थित रहे।

बॉब रिटायर्ड ऑफिसर्स एसोसिएशन के चुनाव संपन्न

श्री पालीवाल अंचल सचिव और डॉ. कर्नावट राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चुने गए

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

बैंक ऑफ बड़ौदा रिटायर्ड आफिसर्स एसोसिएशन की म.प्र. एवं छत्तीसगढ़ (भोपाल अंचल) की अंचल समिति के पदाधिकारियों के चार वर्षीय चुनाव संपन्न हुए। इस चुनाव में पदाधिकारियों का निर्विरोध चयन हुआ।

श्री जी एन अग्रवाल, इन्दौर अध्यक्ष ,श्री एस एन पालीवाल, भोपाल ,अंचल सचिव ,श्री पी. एस. पैठनकर, इन्दौर तथा
श्री उमाकांत गजभिए, जबलपुर
उपाध्यक्ष, श्री संजीव करंबेलकर, इन्दौर तथा
श्री एस एंटोनीसामी, रायपुर
सहायक अंचल सचिव एवं
श्री अजेय कुमार, भोपाल
कोषाध्यक्ष चुने गए।
श्री पी. डी. जोशी, इन्दौर सहायक कोषाध्यक्ष
श्री एस सत्यम, जबलपुर
श्री अनिल देशमुख, ग्वालियर
अंचल समिति के सदस्य मनोनीत किए गए।

इसके साथ ही एसोसिएशन की गवर्निंग काउंसिल के सदस्यों के रूप में डॉ जवाहर कर्नावट, भोपाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा श्री रंजीत कुमार मोंडल, रायपुर राष्ट्रीय सहायक महासचिव चुने गए। गवर्निंग काउंसिल के अन्य सदस्यों में श्री कैलाश चन्द्र माहेश्वरी, इन्दौर श्री जिनेन्द्र जैन, रतलाम, श्री दीपक मोहिते, इन्दौर चुने गए।

बुजुर्गों के लिए अकेलापन सिर्फ भावनात्मक नहीं—एक "सामाजिक महामारी"

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भारत तेजी से बुजुर्ग समाज की ओर बढ़ रहा है। 2011 में 10 करोड़ से अधिक वरिष्ठ नागरिक थे, और 2050 तक यह संख्या लगभग 30 करोड़ तक पहुँचने का अनुमान है। उम्र बढ़ने के साथ-साथ आर्थिक असुरक्षा, अकेलापन, स्वास्थ्य समस्याएँ और सामाजिक उपेक्षा बड़ी चुनौतियों के रूप में उभर रही हैं।

आज डिजिटलीकरण एवं भौतिकवादी समय में शिक्षा का असली उद्देश्य खोता जा रहा है, आज शिक्षण संस्थान डिग्री तो दे रहे हैं, लेकिन मानवता, संवेदना और नैतिकता नहीं दे पा रहे। जबकि 15% सफलता कौशल, ज्ञान और डिग्री से आती है,85% सफलता मानवीय व्यवहार और सहानुभूति से ! आज परिवार और शिक्षा दोनों बच्चों को "I, Me, Myself" का मनोविज्ञान दे रहे हैं,समाज-केन्द्रित दृष्टि नहीं।

आज भारत तेजी से बुजुर्गों कि बढ़ती संख्या को देखते हुए आर्थिक असुरक्षा और निर्भरता बहुत आवश्यक हो गई,43% बुजुर्गों की कोई आय नहीं है; बहुत से सिर्फ पेंशन पर निर्भर हैं, जो अपर्याप्त है।

47% बुजुर्ग आर्थिक रूप से अपने परिवार पर निर्भर रहते हैं। गिरती ब्याज दरों और सीमित अवसरों के कारण बुजुर्गों की वित्तीय स्थिति और अस्थिर हो रही है।विधवाओं और वृद्ध महिलाओं के लिए स्थिति और कठिन है—कम साक्षरता और कम बचत के कारण वे अक्सर सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से भी बाहर रह जाती हैं।

आज भारत तेजी से बुजुर्गों कि बढ़ती संख्या के लिए स्वास्थ्य चुनौतियाँ भी कम नहीं है ! 75% बुजुर्ग किसी न किसी पुरानी बीमारी से पीड़ित हैं। लगभग हर पाँच में से एक बुजुर्ग मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहा है। सीमित आय और उपेक्षा के कारण कई बुजुर्ग ज़रूरी समय पर चिकित्सा सुविधा भी प्राप्त नहीं कर पाते !सरकार का 70+ बुजुर्गों को आयुष्मान भारत के दायरे में लाना एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

सामाजिक संरचना का विघटन बुजुर्गों के अकेलापन और उपेक्षा का बड़ा कारण है !संयुक्त परिवारों का टूटना, बच्चों का पलायन और व्यस्त जीवनशैली बुजुर्गों के अकेलेपन का प्रमुख कारण हैं।करोड़ों बुजुर्ग अकेले रहते हैं; कई मामलों में बच्चों का साथ होते हुए भी वे भावनात्मक रूप से अकेले रह जाते हैं।अकेलापन अवसाद, चिंता और कई मानसिक समस्याओं को जन्म दे रहा है। जापान जैसे देशों के अनुभव बताते हैं कि अकेलापन मृत्यु और सामाजिक संकट दोनों का कारण बन सकता है।

भारत देश में वृद्ध महिलाओं की विशिष्ट चुनौतियाँ विद्यमान है,

महिलाएँ अधिक समय तक जीवित रहती हैं, इसलिए विधवापन अधिक आम है—80+ आयु वर्ग में 71% महिलाएँ विधवा हैं।अक्सर उन्हें संसाधनों की कमी, निर्भरता, भेदभाव और खराब स्वास्थ्य से जूझना पड़ता है।कम वेतन वाले असंगठित कामों पर निर्भरता आम बात है।

शहरी क्षेत्र में रह रहे वृद्ध लोगों की समस्याएं भी काफी गंभीर है क्योंकि 2036 तक 40% से अधिक जनसंख्या शहरों में होगी। शहरी बुजुर्ग दोहरी समस्या झेलते हैं,परिवारों का विघटन,महँगी स्वास्थ्य सेवाएँ और सामाजिक अलगाव,वृद्धों के लिए उम्र-अनुकूल और लैंगिक संवेदनशील इंफ्रास्ट्रक्चर का स्पष्ट अभाव है।

समाज में बुजुर्गों के साथ अकेलेपन का बढ़ता संकट WHO के अनुसार दुनिया में हर छठा इंसान अकेलापन झेल रहा है; भारत भी इससे अछूता नहीं है। डिजिटल दुनिया की अति-निर्भरता ने वास्तविक सामाजिक संपर्क को कम कर दिया है। अकेलापन सिर्फ भावनात्मक नहीं—एक "सामाजिक महामारी" बन चुका है, जिससे आत्महत्या तक की घटनाएँ बढ़ रही हैं।

बुजुर्गों की संभावित समाधान एवं नवाचार के लिए हमे विशेष तथ्यों एवं प्रसंगों को ध्यान में रखना होगा, ताकि बुजुर्गों के लिए अकेलापन बन चुकी महामारी को हम दूर कर सके

टाइम बैंक/समय बैंक मे बुजुर्गों की सहायता में दान किए गए घंटों को भविष्य में अपनी जरूरत के समय उपयोग करने की व्यवस्था—एक प्रभावी सामाजिक नवाचार को बढ़ावा देना होगा 'वृद्ध दत्तक' (Adopt-a-Senior) द्वारा सामाजिक जुड़ाव बढ़ाने का सुझाव, ताकि लोग दत्तक पुत्र की तरह किसी बुजुर्ग की देखभाल कर सकें।

PPP मोड में सशुल्क वृद्धाश्रम मे अधिक विकल्प, बेहतर गुणवत्ता और कम बोझ वाली सेवा व्यवस्था का विकास करना होगा !

सामुदायिक केंद्र, मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, पड़ोसी नेटवर्क आदि के माध्यम से अकेलेपन से निपटने की आवश्यक रणनीतियाँ तैयार करनी होगी !

देश के बुजुर्ग वायोंवृद्ध लोगों के संबंध में विभिन्न बातों को समझने के बाद हमारे ज्ञान में यह बात आती है कि भारत अपेक्षाकृत गरीब और कार्यशील आयु की आबादी को मजबूत बनाने से पहले ही वृद्ध समाज में प्रवेश कर रहा है। ऐसे में हमे मजबूत सामाजिक सुरक्षा,सार्वभौमिक पेंशन, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार,अकेलेपन से निपटने के सामुदायिक प्रयास, और वृद्ध महिलाओं के लिए विशेष नीतियाँ बनानी होगी !

बुजुर्ग सिर्फ परिवार का नहीं—पूरे समाज का अनुभव-संपन्न अमूल्य धरोहर हैं। उनकी उपेक्षा किसी राष्ट्र की मानवीयता पर प्रश्नचिह्न है।

लोकतंत्र अंतहीन यात्रा

लोकतंत्र एक अंतहीन यात्रा है। प्लेटो से लेकर नेहरू वाया डोनाल्ड ट्रंप अब यह बात सच साबित हो रही है। इतना सा फर्क आया है कि अब यह यात्रा संसद नहीं, 'एक्सपीरियंस सेंटर' की ओर जाती है। लोकतंत्र अब विचार नहीं, जीवंत अनुभव बन चुका है। कभी यह नागरिकता का प्रतीक था, आज यह 'वोटिंग डेस्टिनेशन' है। हर नागरिक धीरे-धीरे एक संख्या में तबदील हो रहा है। मतदान का अधिकार कभी एक संवैधानिक दायित्व था, अब वह अनुभवात्मक भोग बनकर उभरा है। राजनीति अब अपना अर्थ बाजार से ग्रहण कर रही है, लोकतंत्र एक चमकदार उत्पाद में रूपांतरित हो चुका है। नवाचार के इस युग में 'वोटिंग टूरिज्म प्राइवेट लिमिटेड' जैसी सरकार प्रायोजित संस्थाएं लोकतंत्र के मंदिर को पर्यटन स्थल घोषित कर चुकी हैं। उनका विज्ञापन कहता है- 'हर चुनाव, एक नया अनुभव। हर बूथ, एक नई मंजिल।'
मतदाता नागरिक नहीं, बल्कि यात्री हैं, जो अपनी अभिरुचि, धर्म, जातीय अस्मिता, या नारे की तात्कालिक लय के आधार पर गंतव्य चुनते हैं। हर बार विलासितापूर्ण बसें और रेलें सजने के बाद राजधानी से गंतव्य की ओर प्रस्थान करती हैं। प्रत्येक यात्री को एक 'लोकतांत्रिक किट' दी जाती है- एक पहचान-पत्र, कुछ झंडे, नारे-पत्र, और एक नया 'फॉर्म 6', जिससे कोई भी मतदाता अपनी नागरिकता की जड़ें हर पांच वर्ष में नए प्रदेश में रोप सकता है। यह भ्रमणशील नागरिकता का नया संस्कार है। बस में मार्गदर्शक का स्वर गूंजता है- 'बाएं ओर देखिए, जनमत का पहाड़ उभर रहा है। दाईं ओर, आदर्श आचार संहिता धीरे-धीरे गड्ढे में उतर रही है।' यात्री खिलखिलाते हैं, फोटो खींचते हैं, और 'रुजर्नीऑवडिमोक्रेसी' का हैशटैग डालते हैं। अब मतदाता की पहचान उसकी स्याही लगी उंगली से नहीं, बल्कि उसकी ऑनलाइन उपस्थिति से होती है। मतदान केन्द्र 'रेटेड बूथ' बन चुके हैं। पांच सितारा बूथों में वातानुकूलित प्रतीक्षा कक्ष, ठंडा पेय और वाई-फाई की सुविधा है। एक सितारा बूथों में जनता को 'मुफ्त नारेबाजी अनुभव' का अवसर उपलब्ध कराया जाता है। नागरिकता अब सहभागिता नहीं, 'सेवा पैकेज' है।
मीडिया ने इस क्रांतिकारी नवयुग का स्वागत 'इन्फ्लुएंसर पत्रकारिता' से किया है। रिपोर्टर अब लोकतांत्रिक प्रचारक है, जो बूथ पर खड़े होकर कहता है, 'देश बदलने निकला हूं, बस नेटवर्क का सिग्नल थोड़ा कम है।' प्रत्येक चैनल पर नया कार्यक्रम शुरू हो चुका है- 'कहां पड़ेगा लोकतंत्र का वोट?' राजनीतिक विश्लेषक ज्योतिषी हैं और ज्योतिषी, राजनीतिक समीक्षक। चुनाव परिणाम अब पंचांग और मनोरंजन दोनों की श्रेणी में आ गए हैं। चुनाव आयोग ने अपनी नई भूमिका व्यवस्थित कर ली है। अब उसके दो ही काम हैं- पहला, मतदाता सूची का नवीकरण, दूसरा, टूर पैकेजों की स्वीकृति। वेबसाइट पर नया अनुभाग शोभित है- 'बुक युवर इलेक्शन एक्सपीरियंस।' लोकतंत्र और पर्यटन अब एक ही दस्तावेज में दर्ज हैं, पासपोर्ट और वोटर आईडी का नवविलय। सभ्रांत नागरिकों के लिए मतदान अब अवकाश की गतिविधि बन गया है। कोई समुद्र तट पर लोकतंत्र का सागर निहारते हुए वोट देता है, कोई पहाड़ की चोटी पर खड़ा होकर 'सेल्फी विद डेमोक्रेसी' लेता है। अब मतदाता सूची सुधार नहीं, अनुभव विस्तार का साधन है। मुख्य चुनाव आयुक्त की समापन घोषणा अब किसी प्राचीन अनुष्ठान का नहीं, बल्कि विश्व पर्यटन मेले जैसा दृश्य बन चुकी है- 'विश्व भर से आए प्रिय पर्यटको, आपका स्वागत है। आपका वोट दर्ज हुआ हो या नहीं, पर आपका अनुभव अवश्य अंकित हो गया है। लोकतंत्र का नया मौसम शीघ्र आएगा। कृपया अपनी अग्रिम बुकिंग आज ही सुनिश्चित करें।' सभागार ताली से गूंज उठता है। लोकतंत्र अब पर्व नहीं, कार्यक्रम बन चुका है। शासन विचार नहीं, आयोजन में बदल गया है। हर आवाज किसी प्रचार पत्र की पंक्ति जैसी लगती है, और हर नारा अपने भीतर बाजार की गंध लिए है। अब कोई सत्ता नहीं बची, भव्य बाजार उसका यथार्थ है। मतदाता अब उस मंच का दर्शक है, जो तालियां बजाने आया है। लोकतंत्र अब विचार नहीं, इवेंट मैनेजमेंट की परिभाषा से संचालित है। ऐसे में जब कोई व्यंग्यकार यह दृश्य देखकर मुस्कुराता है, तो नेपथ्य से एक आवाज उठती है- अब तुम्हें व्यंग्य लिखने की जरूरत नहीं। अब सत्ता, व्यवस्था, नेता और उनके भाषण स्वयं व्यंग्य हैं, और हर मतदाता- उस व्यंग्य का पात्र। अब देखकर केवल हंसो, खिलकर, खुलकर हंसो।

-पीए सिद्धार्थ, स्वतंत्र लेखक

जंगलों की आग को कैसे नियंत्रित करें

पर्वतीय क्षेत्रों में ज्यादातर पेयजल योजनाएं जंगलों से होकर गुजरती हैं। उनमें जंगलों के बीच हाईडरेंट पॉइंट रखे जाने चाहिए ताकि आग लगने पर आसपास के जंगल को बचाया जा सके। केवल पाइप ले जाना होगा। इस तरह नवाचारी तरीके अपनाने होंगे। वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के सामने एक चुनौती और है, कि थोड़ा दूर से आग पर प्रभावी प्रहार कैसे किया जाए? जैसे टियर गैस शैल दूर से फायर किए जाते हैं। क्या आग बुझाने वाले शैल विकसित किए जा सकते हैं, जो दूर से फायर करके आग वाले क्षेत्र में फैंके जा सकें और उनमें मौजूद रसायन आग बुझाने का काम करे। आम समाज को स्कूलों, महिला मंडलों, पंचायतों, युवक मंडलों आदि के माध्यम से जागरूक करते रहना भी वनों को आग से बचाने के लिए एक जरूरी गतिविधि मानी जानी चाहिए जंगल धरती के फेफड़े हैं। जिंदा रहने के लिए तीन सबसे पहली जरूरतों- सांस लेने के लिए शुद्ध हवा, पानी और भोजन उपलब्ध करवाने में जंगलों की मुख्य भूमिका है। जंगलों में पेड़ कार्बनडाईआक्साइड खाकर शुद्ध ऑक्सीजन छोड़ कर हमारे लिए प्राण वायु का प्रबंध करते हैं, बारिश लाने से लेकर बारिश के पानी को अपनी जड़ों में समेट कर मिट्टी के अन्दर भूजल भंडारण करते हैं। मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को बनाए रखने में पत्तियों की खाद देकर योगदान करते हैं। जंगली कंद मूल फल देकर वैकल्पिक भोजन व्यवस्था करते हैं। और जलवायु नियंत्रण करके पृथ्वी को रहने योग्य बनाए रखते हैं। अर्थात जंगलों के बिना मनुष्य जाति का जिन्दा रहना संभव नहीं है, हालांकि मनुष्य के न रहने पर भी जंगल की सेहत पर कोई बुरा असर नहीं होगा, बल्कि जंगल और अच्छा पनपेगा क्योंकि इस समय जंगलों के विनाश में मनुष्य समाज की ही भूमिका सबसे ज्यादा है। जंगलों में आग लगने के कारण मुख्यतः निम्न हैं : कृषि-बागवानी का अंधाधुंध प्रसार, व्यापारिक स्वार्थ, जंगल और घासनी में टकराव, घास के क्षेत्र बनाए रखने के लिए आग से वृक्षों के उगने को रोकना पुराना तरीका रहा है, और एकल प्रजाति के चीड़ आदि रोपण। चीड़ की पत्तियां ज्वलनशील होती हैं जिनमें बिरोजे के अंश होते हैं, इसलिए जल्दी आग पकड़ लेती हैं। इसलिए मिश्रित प्रजातियों के मिश्रित वन तैयार किए जाने चाहिए जो आजीविका के भी बेहतर आधार हो सकते हैं। साथ ही उनमें आग लगने की संभावना भी कम रहती है।
जंगलों में अनुपयोगी विदेशी खरपतवार उन्मूलन करके घास उत्पादन को बढ़ाना चाहिए ताकि चारागाह विस्तार की जरूरत ही कम हो जाए। ऐसे निहित स्वार्थों पर सख्त रोक लगनी चाहिए जो आग लगा कर पेड़ सूख जाने पर व्यापार के लिए पेड़ प्राप्त करने के चक्कर में रहते हैं।
वन आधारित आजीविका में वृद्धि के प्रयास करने चाहिए जिससे स्थानीय लोग स्वयं आग न लगाने और न लगने देने में सक्रिय हो सकते हैं।
स्थानीय समाज को वनों में आग नियंत्रण के लिए भागीदार बनाए जाने की जरूरत है, जिसके लिए सामाजिक वानिकी, और ग्राम वन विकास का काम किया जाना चाहिए। लोग जुड़ेंगे तो वनों का महत्व भी समझेंगे। वर्तमान वन अधिकार कानून इस दिशा में बढने के लिए पर्याप्त कानूनी आधार प्रदान करता है, किन्तु सरकारें और वन विभाग इस कानून के क्रियान्वयन में आनाकानी वाला रुख ही अपनाए हुए हैं। इस कानून को योजनाबद्ध तरीके से लागू करने की जरूरत है।
विशेषकर सामुदायिक अधिकारों और वन संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़े प्रावधानों को बेझिझक लागू किया जाना चाहिए। वनों की आग को नियंत्रित करने के तरीके भी अभी तक पिछली शताब्दी वाले ही बने हुए हैं। झाडियों से पीट कर आग बुझाने का जमाना लद चुका है। आज का आदमी तकनीकी सहायता के बिना काम करने का आदी नहीं रहा है, न ही वह पहले जैसा कठिन श्रम करने का आदी रहा है। इसलिए आधुनिक उपकरण और मशीनी सहयोग प्रदान करना जरूरी है। गत वर्षों में जिसके अभाव में वनों में आग बुझाते हुए कई वन कर्मियों की दुखद मौत भी हो चुकी है। वर्तमान में सादे और उन्नत दोनों तरह के उपकरण आग बुझाने वाले वन सेवकों और उनके स्थानीय सहयोगियों को दिए जाने चाहिए, जिसमें आग को पीट कर बुझाने के लिए एक टिकाऊ झाड़ू, झागदार स्प्रे, और स्प्रे करने के लिए उच्च दबाव वाला पंप, झाग बनाने के लिए पानी में डिटर्जेंट मिलाया जाता है। इससे थोड़े पानी से ज्यादा प्रभाव हो सकता है। दस्ताने, अग्निरोधी बूट, फर्स्ट एड बॉक्स, और आग बुझाने वाले कार्बन डाईआक्साइड वाले सुधरे यंत्र दिए जाने चाहिए। मिस्ट तकनीक के बारे में भी सोचा जाना चाहिए। इसमें पानी को धुंध में बदल कर प्रयोग किया जाता है।
इससे बहुत कम पानी भी ज्यादा सक्षम बन जाता है। जिन जगहों पर छोटे वाहन जा सकते हैं वहां ऑफ रोड फोर बाय फोर वाहन होने चाहिए जिनसे पर्याप्त मात्रा में भारी दबाव से स्प्रे किया जा सकता है। पर्वतीय क्षेत्रों में ज्यादातर पेयजल योजनाएं जंगलों से होकर गुजरती हैं। उनमें जंगलों के बीच हाईडरेंट पॉइंट रखे जाने चाहिए ताकि आग लगने पर आसपास के जंगल को बचाया जा सके। केवल पाइप ले जाना होगा। इस तरह नवाचारी तरीके अपनाने होंगे। वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के सामने एक चुनौती और है, कि थोड़ा दूर से आग पर प्रभावी प्रहार कैसे किया जाए? जैसे टियर गैस शैल दूर से फायर किए जाते हैं। क्या आग बुझाने वाले शैल विकसित किए जा सकते हैं, जो दूर से फायर करके आग वाले क्षेत्र में फैंके जा सकें और उनमें मौजूद रसायन आग बुझाने का काम करे। आम समाज को स्कूलों, महिला मंडलों, पंचायतों, युवक मंडलों आदि के माध्यम से जागरूक करते रहना भी वनों को आग से बचाने के लिए एक जरूरी गतिविधि मानी जानी चाहिए, जिसे हर साल किया जाना चाहिए। ज्यादातर आग गर्मियों में लगती है किन्तु अभी से तैयारी करेंगे, तभी सफल नियंत्रण कर सकेंगे। सरकारों को भी इसके लिए जरूरी बजट उपलब्ध करवाना और जरूरी सुधार नियम बनाना भी एक जरूरी पक्ष है, जिसकी पहल सरकार को करनी चाहिए।

कुलभूषण उपमन्यु
पर्यावरणविद

मेरे शोक संदेशियों को खुशखबरी

कुछ दिन पूर्व मेरे स्वर्ग सिधारने की सोशल मीडिया पर झूठी खबर जारी होने के बाद भी मेरी आत्मा की शांति की भगवान से प्रार्थना करने वाले दिग्गजों से लेकर दिग्गधों, अपने परिचित, अपरिचित शुभचिंतकों को सूचित करते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि मैं एक्चुअलि अब स्वर्ग सिधार गया हूं। इसे अबकी बार सोशल मीडिया की झूठी खबर न मान मेरी ओर से मेरे मरने की अधिकृत खबर माना जाए। अजब समाज है ये मेरा भी! यहां किसी को जिंदा जी दुआएं देने को किसी के हाथ बीसियों बार ऊपर उठाने के बाद भी न जाने क्यों नीचे ही गिरते रहते हैं? पर किसी के मरने की झूठी खबर सुनते ही फेसबुक पर आरआईपी लिखने को कटे हाथों में भी दैवीय शक्ति पता नहीं कहां से आ जाती है? मेरे कुछ मित्र मुस्कुराते हुए कह रहे हैं कि मेरे मरने के साथ ही उटपटांग लिखने बकने का एक युग खत्म हो गया। कि मैं उटपटांग लिखने, बकने को मरने के बाद भी युगों तक जाना जाता रहूंगा। कि मैं गजब का गंदादिल इनसान था। कि मैं सारी उम्र गंदगी में बिना किसी की परवाह किए बगैर शान से जिया। कि मेरे मरने के बाद मेरे घरवालों को जो अपूर्णीय क्षति हुई है, भगवान उसकी भरपाई शीघ्र करें और उन्हें मेरे मरने के दुःख को सहन करने की असीम शक्ति दें, आदि आदि!
सच कहूं तो आज की तारीख में किसी के मरने का दुःख मरने वाले के सिवाय और किसी को नहीं होता। उसको दुःख इसलिए होता है कि जब तक वह इस आदर्शवादी समाज को समझने के लायक हुआ, मर गया। बंदे के मरने के दूसरे ही दिन उसका उठाला होने से पहले उसके डियररों नियररों द्वारा उसके बैंक खातों की पासबुकों की तलाश शुरू हो जाती है। जिसके हाथ उसकी पासबुक लग जाए वही अपने को मरे का पहला वारिस मानता है। नौकरीपेशा बाप के मरने पर बेरोजगार बेटा दुःखी नहीं होता। उल्टे उसके रोजगार की संभावना बलवती हो उठती है। मैंने देखा है कई सुपुत्र अपने नौकरी में लगे बाप के मरने की भगवान से कामना करते रहते हैं ताकि उसकी जगह बैठ कर जनता की सेवा करने का मौका उन्हें भी मिले।
मित्रो! अब मेरे असली मरने के बाद भी श्रद्धांजलिकारों ने मेरे मरने की झूठी खबर से भी अधिक जो उदारता दिखाई है, उसके लिए मैं दिल की गहराइयों से उनका आभारी हूं। एक ही बंदे को दो बार श्रद्धांजलियां देने को आज के व्यस्त समय में समय किसके पास है? आपने समय निकाला, आपका मन की गहराइयों से आभार! मेरे कई शुभचिंतकों ने तो भावावेश में आकर मुझे चार चार बार श्रद्धांजलियां दे डाली हैं। अहा! कितना प्यार करते थे वे मुझसे! जो मुझे अपने जीते जी उनका मेरे प्रति इस प्यार का पता चल जाता कि वे मुझे इतना प्यार करते हैं तो। मैंने अपने मरने तक उनको गलत समझा, मेरे इस जघन्य अपराध को वे क्षमा करें। अपने शुभचिंतकों से मरने के बाद दोनों हाथ जोड़ मैं यही अपील करता हूं कि वे मुझे मेरे मरने पर इतनी श्रद्धांजलियां दें, इतनी श्रद्धांजलियां दें ताकि यमराज को भी पता चले कि मैं मरने वाला कोई मामूली नहीं था। मेरे मरने पर मेरे पीछे मुझे श्रद्धांजलियां देने वाले मेरे लाखों फॉलोअर्स अभी भी जिंदा हैं। आज भाग्यशाली वह नहीं, जिसकी किस्मत कदम कदम पर साथ दे। आज की तारीख में भाग्यशाली वह है जिसके पास फॉलोअर्सों की सबसे लंबी फौज हो, भले ही उसे श्मशान के लिए अपने कंधों पर अपने आप ही क्यों न जाना पड़े। यह दौर सगे संबंधियों को गिनने का दौर नहीं, फेसबुक, इंस्टाग्राम पर के अपने फॉलोअर्स को गिनने का दौर है।

-अशोक गौतम

पुतिन, ट्रंप, शी सभी के लिए भारत है बाजार...

दिसंबर में पुतिन, जनवरी में शायद ट्रंप और फिर शी जिनपिंग के गले लगना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नियति है। इन तीनों विश्व नेताओं के लिए नरेंद्र मोदी इसलिए उपयोगी हैं क्योंकि भारत कमाई का बाजार है। बाजार भी ऐसा, जिसमें कुछ भी, मनचाहे दाम पर बेचा जा सकता है। भारत में चीन के सस्ते और घटिया उत्पादों की भी खपत है तो रूस के दोयम दर्जे के हथियार भी उसकी आवश्यकता है। वही अमेरिकी सोशल मीडिया से लेकर मैकडोनाल्ड, केएफसी, पेप्सी, कोक सब तो गरीब, मध्य वर्ग, अमीर भारतीयों की भूख है!
इसलिए जो ज्ञानी, कूटनीतिज्ञ, विशेषज्ञ पुतिन की भारत यात्रा से भूराजनीति, सुरक्षा, सामरिक रिश्तों में करवट या डोनाल्ड ट्रंप को जवाब जैसी बड़ी बातें बोल रहे हैं वह सब फालतू है। पुतिन से सिर्फ भारत खरीदेगा। भारत-रूस की दोस्ती से भारत की सामरिक-भूराजनीतिक गणित में रत्ती भर इजाफा नहीं है।
वह वक्त अलग था जब सोवियत संघ तथा चीन में झगड़ा था, उनकी सीमा पर तनाव था। पर तब भी (1962 में चीन के हमले के समय) भी सोवियत संघ याकि रूस भारत की मदद के लिए नहीं दौड़ा था। तब ब्रिटेन, अमेरिका से ही इमरजेंसी सप्लाई थी। सोवियत संघ के बिखराव के बाद का रूस अब पुतिन राज से यूक्रेन युद्ध के चलते चीन का मोहरा सा है तो कल्पना करें कि यदि चीन ने अरूणाचल को हड़पने की सैनिक कार्रवाई की तो पुतिन क्या भारत की मदद में दौड़ेंगे? हां, पाकिस्तान हो या बांग्लादेश, नेपाल या श्रीलंका मतलब पूरे दक्षिण एशिया की भूराजनीति में अब चीन की बिसात में रूस, भारत का नहीं बल्कि चीन का

प्यादा है और रहेगा। यही मायने वाला सत्य है। पर पश्चिमी दुनिया में अछूत हुए रूस के लिए भारत की उपयोगिता भारी है। भारत उससे तेल, हथियार सब खरीदता है और इस व्यापार में उसे मुनाफा ही मुनाफा है। साथ ही भारत अहसान मानते हुए वैश्विक मंचों, संयुक्त राष्ट्र में रूस को लेकर तटस्थ या समर्थक होता है। तभी भारत-रूस की दोस्ती न केवल पुरानी है, बल्कि टिकाऊ है।
जाहिर है मौजूदा रिश्ते भारत के उस बाजार के हित से हैं, जिससे एक तरफ भारत की हथियार-ईंधन आवश्यकता पूरी होती है तो दूसरी तरफ रूस के लिए मुनाफे के नाते भारत के एकाधिकारी बाजार का स्थायी मौका है।
वही अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप भारत के बाजार को अपनी शर्तों में ढलवाने के लिए उस पर इन दिनों टैरिफ शिकंजा बनाए हुए हैं। तथ्य है कि रूस और चीन भारत के बाजार में बेइंतहां मुनाफा कमाते हैं वही अमेरिका हमेशा से घाटे में रहा है। उसकी यह स्थिति चीन के साथ व्यापार में भी है लेकिन चीन को अमेरिका झुका नहीं सकता। तभी ट्रंप ने चीन से समझौता किया है। मगर वे भारत को झुकाने पर आमादा हैं। फालतू बात है कि भारत के पुतिन कार्ड से ट्रंप घबराएंगे। मेरा मानना है कि जनवरी-फरवरी में मोदी सरकार ट्रंप प्रशासन के साथ करार कर लेगी। उससे संभव है यह हेडलाइन बनवाई जाए कि पुतिन के साथ कूटनीति से प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप प्रशासन को मजबूर किया। जबकि असलियत में ट्रंप का पुतिन से पुराना याराना व साठगांठ है।
बहरहाल, इससे सर्वाधिक फायदे में चीन और शी जिनपिंग है। कोई न माने इस तथ्य को लेकिन कूटनीतिक-भूराजनीतिक-व्यापारिक पैमानों सभी में सन् 2025 का वर्ष इतिहास में चीन के अमेरिका के बराबर आ खड़े होने के ऐतिहासिक वर्ष के रूप में जिक्र होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी मूर्खताओं में चीन को बराबरी की महाशक्ति बना दिया है। और सोचें चीन की नई वैश्विक क्षत्रपता में रूस क्या है? उसका एक मोहरा। और भारत क्या है? चीन, रूस और अमेरिका तीनों का एक कैप्टिव बाजार! क्या नहीं?

-हरिशंकर व्यास

रूस-भारत बनाएंगे छठीं पीढ़ी के जेट और बॉम्बर! मॉस्को का FGFA में सहयोग का ऑफर

एजेंसी मॉस्को

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हाल ही में भारत का दौर किया है। इससे भारत और रूस के संबंधों में नई गर्माहट आई है। इस बीच रूस की ओर से भारत के साथ फिर से FGFA (फिफ्थ जनरेशन फाइटर एयरक्राफ्ट) शुरू करने की बात कही गई है। इसमें 6th जेनरेशन के फाइटर एयरक्राफ्ट और अगली पीढ़ी के स्ट्रेटेजिक बॉम्बर का साझा विकास भी शामिल है। यह दोनों देशों के रक्षा सहयोग में अहम कदम हो सकता है। idrw.org की रिपोर्ट के मुताबिक, रूसी अधिकारियों ने बताया है कि उनकी ओर से भारत को एक बड़ा प्रस्ताव दिया है। रूस चाहता है कि भारत उसके साथ मिलकर 6वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान और भविष्य के रणनीतिक बमवर्षक विमानों का विकास करे। रूस भारत में इन विमानों के स्थानीय उत्पादन की भी अनुमति देगा।

इस रणनीति का मकसद भारतीय वायु सेना को स्टील्थ (रडार से छिपने की क्षमता) तकनीक देना है। यह भविष्य में विमानों के सह-उत्पादन की नींव भी रखेगा। रूसी अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि उनके भविष्य के सैन्य विमानन रोडमैप में अगली पीढ़ी के कार्यक्रम शामिल हैं। वे चाहते हैं कि भारत भविष्य के कार्यक्रम का हिस्सा बने।

रूसी अधिकारियों ने यह भी कहा कि कई देश पहले से ही 6वीं पीढ़ी के प्लेटफार्मों पर काम कर रहे हैं। इन प्लेटफार्मों के शुरुआती प्रोटोटाइप साल 2035 तक तैयार होने की उम्मीद है। रूस यह सुनिश्चित करना चाहता है कि वह इस दौड़ में पीछे ना रह जाए। इसलिए वे भारत को एक भरोसेमंद दीर्घकालिक सहयोगी के रूप में देखते हैं। भारत ने इससे पहले FGFA (फिफ्थ जनरेशन फाइटर एयरक्राफ्ट) परियोजना से खुद को अलग कर लिया था। इसके पीछे लागत, समय-सीमा, स्टील्थ प्रदर्शन और तकनीक साझा करने जैसी चिंताएं थीं। फिलहाल भू-राजनीतिक परिदृश्य बदल गया है। अगर भारत Su-57E आधारित FGFA फिर से शुरू करने की हरी झंडी देता है तो यह महत्वपूर्ण सह-विकास का आधार बन सकता है।

रूस-भारत के इस कार्यक्रम में 6वीं पीढ़ी के एयर डोमिनेंस प्लेटफॉर्म (हवा में श्रेष्ठता हासिल करने वाले विमान), स्टील्थ स्ट्राइक एयरक्राफ्ट (रडार से छिपकर हमला करने वाले विमान), उन्नत मानव-मानव रहित टीमिंग सिस्टम (पायलट और ड्रोन की साझेदारी) और भविष्य के लिए बमवर्षक की तकनीक शामिल हैं। यह ब्रह्मोस मिसाइल के साझा कार्यक्रम की तरह से होगा।

रूस का भारत को उसके उन्नत विमानन कार्यक्रमों में भाग लेने का न्योता ऐसे समय आया है, जब भारत अपने रक्षा साझेदारों में विविधता ला रहा है। भारत अभी भी रूसी इंजीनियरिंग की गहराई को महत्व देता है। अगर ये चर्चाएं सफल होती हैं, तो यह अगले तीन दशकों के लिए भारत-रूस वायु शक्ति सहयोग को फिर से परिभाषित कर सकता है।

हवाई यात्रा संकट के बीच रेलवे का मेगा प्लान... अगले 3 दिनों में 89 स्पेशल ट्रेन

एजेंसी नई दिल्ली

यात्रियों की बढ़ती भीड़ और फ्लाइट कैंसिलेशन की समस्या को देखते हुए भारतीय रेलवे ने अगले तीन दिनों में 89 स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। ये ट्रेनें 100 से ज्यादा फेरे लगाएंगी। मुंबई, दिल्ली, पुणे, हावड़ा, हैदराबाद जैसे बड़े शहरों में यात्रियों की आवाजाही को आसान बनाएंगी। उत्तर रेलवे (NER) दिल्ली और मुंबई के बीच 6 फेरे चलाएगा। यह पहल यात्रियों को सुगम यात्रा का अनुभव देने और रेल यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करने के उद्देश्य से की गई है। सर्दी के मौसम और फ्लाइट कैंसिलेशन के कारण बढ़ी यात्रियों की भीड़ को देखते हुए भारतीय रेलवे ने यात्रियों को राहत देने के लिए कमर कस ली है। आज से अगले तीन दिनों तक पूरे देश में 89 स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। ये 100 से अधिक बार यात्रा करेंगी। इन ट्रेनों का मुख्य उद्देश्य बड़े शहरों जैसे मुंबई, दिल्ली, पुणे, हावड़ा और हैदराबाद में यात्रियों की आवाजाही को सुगम बनाना है। उत्तर रेलवे (NER) दिल्ली और मुंबई के बीच 6 स्पेशल ट्रेनें चलाएगा। इससे इन दोनों शहरों के बीच सफर करने वाले यात्रियों को काफी सुविधा होगी।

सेंट्रल रेलवे ने यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए 14 स्पेशल ट्रेनें चलाने की योजना बनाई है। इनमें ट्रेन नंबर 01413/01414 पुणे–बेंगलुरु–पुणे शामिल है, जो 6 और 7 दिसंबर को चलेगी। इसके अलावा, 01409/01410 पुणे–हजरत निजामुद्दीन–पुणे 7 और 9 दिसंबर को, 01019/01020 लोकमान्य तिलक टर्मिनस (LTT)–मडगांव–LTT 7 और 8 दिसंबर को, 01077/01078 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (CSMT)–हजरत निजामुद्दीन–CSMT 6 और 7 दिसंबर को, 01015/01016 LTT–लखनऊ–LTT 6 और 7 दिसंबर को, 01012/01011 नागपुर–CSMT–नागपुर 6 और 7 दिसंबर को, 05587/05588 गोरखपुर–LTT–गोरखपुर 7 और 9 दिसंबर को और 08245/08246 बिलासपुर–LTT–बिलासपुर 10 और 12 दिसंबर को संचालित होंगी।

साउथ ईस्टर्न रेलवे ने भी स्पेशल ट्रेनों का इंतजाम किया है। इनमें ट्रेन नंबर 08073/08074 संतरागाछी–येलहंका–संतरागाछी शामिल है। इसमें 08073 संतरागाछी से 7 दिसंबर को रवाना होगी और 08074 येलहंका से 9 दिसंबर को वापस आएगी। ट्रेन नंबर 02870/02869 हावड़ा–CSMT–हावड़ा स्पेशल, जिसमें 02870 हावड़ा से 6 दिसंबर को और 02869 CSMT से 8 दिसंबर को रवाना होगी। ट्रेन नंबर 07148/07149 चेरलापल्ली–शालीमार–चेरलापल्ली, जिसमें 07148 चेरलापल्ली से 6 दिसंबर को और 07149 शालीमार से 8 दिसंबर को रवाना होगी।

यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए साउथ सेंट्रल रेलवे आज 6 दिसंबर 2025 को तीन स्पेशल ट्रेनें चला रहा है। ट्रेन नंबर 07148 चेरलापल्ली से शालीमार, ट्रेन नंबर 07146 सिकंदराबाद से चेन्नई एग्मोर, और ट्रेन नंबर 07150 हैदराबाद से मुंबई LTT आज रवाना हो चुकी हैं।

ईस्टर्न रेलवे हावड़ा, सियालदह और प्रमुख गंतव्यों के बीच स्पेशल ट्रेन सेवाएं संचालित करेगा। ट्रेन नंबर 03009/03010 हावड़ा–नई दिल्ली–हावड़ा स्पेशल, जिसमें 03009 हावड़ा से 6 दिसंबर को और 03010 नई दिल्ली से 8 दिसंबर को रवाना होगी। ट्रेन नंबर 03127/03128 सियालदह–LTT–सियालदह स्पेशल, जिसमें 03127 सियालदह से 6 दिसंबर को और 03128 LTT से 9 दिसंबर को रवाना होगी।

वेस्टर्न रेलवे ने यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए सात स्पेशल ट्रेनें चलाने की योजना बनाई है। इनमें ट्रेन नंबर 09001/09002 मुंबई सेंट्रल–भिवानी सुपरफास्ट स्पेशल (द्वि-साप्ताहिक) शामिल है, जो 9 से 30 दिसंबर तक हर मंगलवार और शुक्रवार को मुंबई सेंट्रल से चलेगी। 10 से 31 दिसंबर तक हर बुधवार और शनिवार को भिवानी से चलेगी। इससे कुल 14 फेरे होंगे। यह ट्रेन बोरीवली, पालघर, वापी, वालसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, बांदीकुई, अलवर, रेवाड़ी, कोसली और चरखी दादरी स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में रुकेगी। ट्रेन नंबर 09003/09004 मुंबई सेंट्रल–शकूर बस्ती सुपरफास्ट स्पेशल 8 से 29 दिसंबर तक मुंबई सेंट्रल से हर दिन मंगलवार और शुक्रवार को छोड़कर चलेगी। 9 से 30 दिसंबर तक शकूर बस्ती से हर दिन बुधवार और शनिवार को छोड़कर चलेगी, जिससे कुल 32 फेरे होंगे। इसकी बुकिंग 6 दिसंबर से शुरू हो गई है। ट्रेन नंबर 09730/09729 बांद्रा टर्मिनस–दुर्गापुरा सुपरफास्ट स्पेशल, जिसमें 09730 बांद्रा टर्मिनस से 8 दिसंबर को और 09729 दुर्गापुरा से 7 दिसंबर को रवाना होगी। इसकी बुकिंग भी 6 दिसंबर से शुरू हो गई है। इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी - 2 टियर, एसी - 3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकंड क्लास कोच होंगे।

यात्रियों की बढ़ती मांग के चलते भारतीय रेलवे गोरखपुर से अतिरिक्त सेवाएं चलाएगा। ट्रेन नंबर 05591/05592 गोरखपुर–आनंद विहार टर्मिनल–गोरखपुर दो फेरों के लिए चलेगी। इसमें गोरखपुर से 7 और 8 दिसंबर को और आनंद विहार टर्मिनल से 8 और 9 दिसंबर को प्रस्थान होगा। ट्रेन नंबर 05587/05588 गोरखपुर–LTT–गोरखपुर, जिसमें गोरखपुर से 7 दिसंबर को और LTT से 9 दिसंबर को प्रस्थान होगा।

बिहार से सर्दियों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए ईस्ट सेंट्रल रेलवे पटना और दरभंगा से आनंद विहार टर्मिनल के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाएगा। ट्रेन नंबर 02309/02310 पटना–आनंद विहार टर्मिनल–पटना, जिसमें पटना से 6 और 8 दिसंबर को और आनंद विहार टर्मिनल से 7 और 9 दिसंबर को प्रस्थान होगा। ट्रेन नंबर 02395/02396 पटना–आनंद विहार टर्मिनल–पटना, जिसमें 02395 पटना से 7 दिसंबर को और 02396 आनंद विहार टर्मिनल से 8 दिसंबर को रवाना होगी। ट्रेन नंबर 05563/05564 दरभंगा–आनंद विहार टर्मिनल–दरभंगा, जिसमें 05563 दरभंगा से 7 दिसंबर को और 05564 आनंद विहार टर्मिनल से 9 दिसंबर को रवाना होगी।

उत्तर पश्चिम रेलवे आगामी यात्रा अवधि के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए एक-एक ट्रिप के आधार पर दो स्पेशल स्पेशल ट्रेनें चलाएगा। ट्रेन नंबर 04725 हिसार–खाड़की स्पेशल 7 दिसंबर 2025 को हिसार से रवाना होगी, जबकि वापसी सेवा ट्रेन नंबर 04726 खाड़की–हिसार स्पेशल 8 दिसंबर 2025 को खाड़की से रवाना होगी। उत्तर पश्चिम रेलवे एक-एक ट्रिप स्पेशल किराया स्पेशल ट्रेन नंबर 09729 दुर्गापुरा–बांद्रा टर्मिनस स्पेशल भी चलाएगा, जो 7 दिसंबर 2025 को दुर्गापुरा से रवाना होगी। वापसी सेवा ट्रेन नंबर 09730 बांद्रा टर्मिनस–दुर्गापुरा स्पेशल 8 दिसंबर 2025 को बांद्रा टर्मिनस से रवाना होगी।

यात्रियों की सुविधा के लिए उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज और नई दिल्ली के बीच स्पेशल ट्रेनें चलाएगा। ट्रेन नंबर 02417 6 और 8 दिसंबर को प्रयागराज से रवाना होगी और वापसी में ट्रेन नंबर 02418 7 और 9 दिसंबर को नई दिल्ली से रवाना होगी। इससे दोनों दिशाओं में कुल दो फेरे होंगे। इसी तरह ट्रेन नंबर 02275 7 दिसंबर को प्रयागराज से रवाना होगी और वापसी में ट्रेन नंबर 02276 8 दिसंबर को नई दिल्ली से रवाना होगी। इससे दोनों तरफ एक-एक ट्रिप होगा।

इजरायल ने भारत को दी बड़ी खुशखबरी, अगले साल मिलेगी खतरनाक LMG की पहली खेप

एजेंसी तेल अवीव

इजरायल की प्रमुख रक्षा कंपनी ने बताया है कि अगले साल की शुरुआत में भारत को लाइट मशीन गन (एलएमजी) की पहली खेप की आपूर्ति करने की योजना पर काम किया जा रहा है। पहली खेप में भारत को 40,000 एलएमजी भेजी जाएंगी। वहीं दोनों देशों में 1,70,000 मॉडर्न कार्बाइन की आपूर्ति के अनुबंध पर हस्ताक्षर से जुड़ी प्रक्रिया भी अपने अंतिम चरण में है। इस पर जल्दी ही चीजें फाइनल कर ली जाएंगी।

इजरायल वेपन इंडस्ट्रीज (आईडब्ल्यूआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) शुकी श्वाट्र्ज ने बताया कि उनकी कंपनी वर्तमान में भारत के गृह मंत्रालय की विभिन्न एजेंसियों के साथ मिलकर पिस्तौल, राइफल और मशीन गन पर बात कर रही है। श्वाट्र्ज ने पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा कि हम भारत के साथ अभी तीन महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में शामिल हैं। शुकी ने कहा कि भारत के साथ पहला कार्यक्रम 40,000 लाइट मशीन गन का अनुबंध है, जिस पर पिछले साल हस्ताक्षर किए गए थे। हमने सभी परीक्षण और सरकारी जांच पूरी कर ली है। हमें उत्पादन का लाइसेंस मिल गया है। हमारा इरादा साल की शुरुआत में पहली खेप की आपूर्ति करने का है। आपूर्ति की समय-सीमा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि एलएमजी की आपूर्ति पांच साल के लिए है। हम इसे और भी जल्दी दे सकते हैं लेकिन पहली आपूर्ति साल की शुरुआत में होगी। श्वाट्र्ज ने बताया कि दूसरे कार्यक्रम में सीक्यूबी (क्लोज क्वार्टर्स बैटल) कार्बाइन है, जहां कंपनी दूसरी बोलीदाता रही। शुकी ने आगे बताया, 'हमारा इरादा अनुबंध का 40 प्रतिशत आपूर्ति करने का है। हम अनुबंध पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया में हैं और मेरा मानना है कि इस साल के अंत या अगले साल की शुरुआत तक इसे अंतिम रूप दे दिया जाएगा। सीक्यूबी कार्बाइन' की आपूर्ति का 60 प्रतिशत 'भारत फोर्ज' करेगा। इसके बाकी की 40 प्रतिशत (170,000 इकाइयां) अदाणी समूह की सहायक कंपनी पीएलआर सिस्टम्स वितरित करेगी। उन्होंने पीएलआर सिस्टम्स के माध्यम से अदाणी समूह के साथ साझेदारी पर प्रकाश डाला, जो हल्के हथियारों के निर्माण और स्थानीय स्तर पर आर्बेल प्रणालियों के एकीकरण पर केंद्रित है।

श्वाट्र्ज ने यूरोपीय देशों के उपकरणों की आपूर्ति पर हाल ही में लगाए गए प्रतिबंध के बारे में कहा, 'इस कारण से इजरायल को अपनी आत्मनिर्भरता बढ़ाने की आवश्यकता है। वैश्विक स्तर पर रक्षा बलों का समर्थन करने के लिए हमारी अपनी आपूर्ति श्रृंखला है। हमने मिशन को आगे बढ़ाने के लिए आपूर्ति श्रृंखला बनाई है।

भारत के बिना SAARC जैसा नया गुट... चीन और बांग्लादेश का मिला साथ तो दिन में सपने देखने लगा पाकिस्तान, मिलेगी सफलता

एजेंसी इस्लामाबाद

पाकिस्तान और भारत के संबंधों में तनाव का एक पुराना इतिहास रहा है लेकिन हालिया महीनों में बांग्लादेश से भी दिल्ली के रिश्ते अच्छे नहीं है। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार आने के बाद से पाकिस्तान की ढाका में दखल काफी ज्यादा बढ़ गई है। वहीं चीन को पाकिस्तान अपना बेहतरीन दोस्त कहता ही है। ऐसे में पाकिस्तान चाहता है कि क्षेत्र में भारत के बगैर एक मजबूत मोर्चा बनाया जाए। यह भारत की क्षेत्रीय अहमियत घटाने की कोशिश के तहत है। अल जजीरा के मुताबिक, पाकिस्तान के विदेश मंत्री और डिप्टी पीएम इशाक डार ने कहा है कि बांग्लादेश, चीन और उनके देश के बीच शुरू हुई त्रिपक्षीय पहल को दूसरे क्षेत्रीय देशों और उससे भी आगे बढ़ाया जा सकता है। डार का बयान ऐसे समय में आया है, जब दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (SAARC) भारत-पाकिस्तान के तनाव के चलते निष्क्रिय हो गया है। ऐसे में इसकी जगह नया गुट पाकिस्तान चाहता है, जिसमें भारत ना हो। इस साल जून में चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के राजनयिकों ने क्षेत्रीय स्थिरता, आर्थिक विकास और लोगों के जीवन को बेहतर बनाने पर केंद्रित त्रिपक्षीय वार्ता की थी। पाकिस्तान अब इस पर और आगे बढ़ सकता है।

हालांकि बड़ा सवाल यह है कि क्या दक्षिण एशिया के ज्यादातर देश भारत के बिना किसी नए क्षेत्रीय समूह पर सहमत होंगे। इशाक डार ने कहा कि पाकिस्तान एक ऐसे दक्षिण एशिया की कल्पना करता है, जहां विभाजन की जगह जुड़ाव और सहयोग ले। अर्थव्यवस्थाएं तालमेल से बढ़ें, विवाद अंतरराष्ट्रीय वैधता के अनुसार शांतिपूर्वक हल हों और जहां गरिमा और सम्मान के साथ शांति बनाए रखी जाए। डार ने भारत पर क्षेत्र में तनाव बढ़ाने का आरोप मढ़ा है।

लाहौर विश्वविद्यालय में सेंटर फॉर सिक्योरिटी (CSSPR) की निदेशक अख्तर ने अल जजीरा से कहा कि यह पाकिस्तान के इरादे को दर्शाता है कि वह क्षेत्रीय सहयोग तंत्र में विविधता लाए। यह जरूरी है क्योंकि भारत और पाकिस्तान के बीच दशकों से चले आ रहे तनाव ने सार्क को तकरीबन खत्म कर दिया है। इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप के सीनियर एनालिस्ट प्रवीण दोंथी कहते हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच जमे हुए रिश्तों की वजह से SAARC के चुपचाप खत्म होने से एक और साउथ एशियन फोरम के लिए खालीपन पैदा हो गया। इस बीच भारत के साथ बांग्लादेश के बिगड़ते रिश्तों और पाकिस्तान के साथ सुधरते संबंधों ने चीन के साथ ट्राइलेटरल कोऑपरेशन का रास्ता बनाया है। एकेडमिक अख्तर का मानना है कि पाकिस्तान की कामयाबी दो बातों पर निर्भर करेगी। पहली ये कि क्या देश मुद्दों पर फोकस करने वाले ग्रुप्स में फंक्शनल वैल्यू देखते हैं, ऐसे समय में जब ट्रेडिशनल आर्किटेक्चर रुके हुए हैं। दूसरा ये क्या क्या पार्टिसिपेशन से भारत के मुकाबले पॉलिटिकल कॉस्ट नहीं बढ़ती है। आने वाले समय में ये साफ होगा कि इस्लामाबाद को कितनी कामयाबी मिलती है।

हार के बाद टेम्बा बावुमा ने कैसे-कैसे बहाने बनाए? केएल राहुल ने किस विकेट को बताया खास

एजेंसी विशाखापत्तनम

भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए वनडे सीरीज के तीसरे मुकाबले को 9 विकेट से जीता। इसी के साथ टीम इंडिया ने सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली है। मुकाबले में टॉस हारकर बल्लेबाजी के लिए उतरी साउथ अफ्रीकी टीम 47.5 ओवरों में महज 270 रन पर सिमट गई। भारत ने 39.5 ओवर में 271 रन का टारगेट चेज कर लिया।

यशस्वी जायसवाल ने अपने वनडे करियर का पहला शतक लगाते हुए 121 गेंदों में 2 छक्कों और 12 चौकों के साथ नाबाद 116 रन बनाए, जबकि विराट कोहली ने 45 गेंदों में 3 छक्कों और 6 चौकों के साथ नाबाद 65 रन की पारी खेली। साउथ अफ्रीका की तरफ से एकमात्र सफलता केशव महाराज के हाथ लगी। रोहित शर्मा ने 73 गेंदों में 3 छक्कों और 7 चौकों के साथ 75 रन बनाए। आइये जानते हैं मैच के बाद दोनों टीमों के कप्तानों ने क्या-क्या कहा।

केएल राहुल ने मैच के बाद बयान में कहा, 'गीली आउटफील्ड में गेंदबाजों को थोड़ा आराम देना अच्छा है। विकेट फिर भी काफी अच्छा था और हम जो कर पाए वो ये था कि हमने जल्दी-जल्दी विकेट लिए। यह या तो 400 रन का पीछा हो सकता था या टीमें बहुत कड़ी मेहनत कर सकती हैं और वनडे क्रिकेट में आप इसी से मैच जीत सकते हैं। जिस तरह से वो खेल रहा था (क्विंटन डिकॉक), जब वो आउट हुआ तो स्कोर 180 के आस-पास था और वो खुद 120 पर था। वो विकेट बहुत महत्वपूर्ण था।' उन्होंने आगे कहा, 'इस सीरीज़ की सबसे अच्छी बात यही है कि हमने कैसे अपना संयम बनाए रखा। दक्षिण अफ्रीका दबाव बनाने के इरादे से उतरा था, एक नतीजा हमारे पक्ष में नहीं गया, लेकिन हम ज्यादा निराश नहीं हुए। जो काम हमने किया, जो तरीके हमने अपनाए, आज उसका फायदा मिला।'

टेम्बा बावुमा ने कहा, 'मेरा मतलब है, हम आज इसे और भी रोमांचक बनाना चाहते थे। मुझे लगता है कि असल बात यह है कि बल्लेबाजी के लिहाज से, हमारे पास पर्याप्त रन नहीं थे। मुझे लगता है कि जैसा कि सीरीज में हुआ है, लाइट्स के अंदर गेंद के फिसलने से खेल आसान हो जाता है। बीच की पारी में इस तरह से विकेट देना आप जानते ही हैं, हमेशा दबाव आता है। आज गेंद के साथ संघर्ष किया। उस पहले टर्न में, हम काफी बेहतर थे। लेकिन जाहिर है, स्कोरबोर्ड के ज्यादा दबाव के बिना उन्हें जोखिम लेने की ज़रूरत नहीं पड़ी। लेकिन अंत में, भारतीय टीम ने अपनी क्वालिटी दिखाई। उन्हें शाबाशी।'

पहले वनडे शतक से ही यशस्वी की झोली में बरस गए रिकॉर्ड, आ गए रोहित-विराट और गिल के बराबर

एजेंसी विशाखापत्तनम

कहते हैं कि 1 से क्या होता है? लेकिन 1 बहुत बड़ा नंबर है। यकीन ना हो तो हम जो रिकॉर्ड आपको बताने जा रहे हैं, उससे समझ लीजिएगा। भारतीय क्रिकेट टीम ने साउथ अफ्रीका को विशाखापत्तनम में शनिवार रात को खेले गए सीरीज के तीसरे और आखिरी वनडे मैच में हरा दिया है। इसके साथ ही टीम इंडिया ने ये सीरीज 2-1 से जीत ली है। इस मैच में भारतीय जीत में असली योगदान रहा है यशस्वी जायसवाल का, जिन्होंने इस वनडे मैच में अपने करियर का पहला यानी नंबर-1 शतक बनाया है। यशस्वी जायसवाल ने 121 गेंद में नॉटआउट 116 रन की पारी खेली है, जिसमें 12 चौके और 2 छक्के उन्होंने लगाए हैं। अपने इस मेडन शतक के साथ ही यशस्वी जायसवाल ने कई रिकॉर्ड्स की लिस्ट में अपना नाम दर्ज करा लिया है, जिनसे वे रोहित शर्मा, विराट कोहली और शुभमन गिल की कतार में आकर खड़े हो गए हैं। साथ ही सचिन तेंदुलकर के साथ भी अपना नाम जोड़ लिया है।

यशस्वी जायसवाल अपने इस पहले शतक के साथ ही तीनों फॉर्मेट यानी टेस्ट, टी20 और वनडे क्रिकेट में शतक बनाने वाले प्लेयर बन गए हैं। टेस्ट और टी20 में वे पहले ही इंटरनेशनल शतक बना चुके थे। साउथ अफ्रीका के खिलाफ इस वनडे शतक से वह ऐसा करने वाले महज छठे भारतीय बल्लेबाज बने हैं। यशस्वी से पहले निम्न बल्लेबाजों ने भी यह कारनामा किया है-

IND vs SA 3rd ODI: बस एक शतक और.... फिर विराट कोहली बन जाएंगे ऐसे 'किंग', जैसा दूसरा कोई बल्लेबाज नहीं, टूटेंगे कई और रिकॉर्ड

क्विंटन डिकॉक ने शतक से किया कमाल... गिलक्रिस्ट-संगाकारा को छोड़ा पीछे तो कोहली के 'विराट' रिकॉर्ड की बराबरी कर ली

सुरेश रैना, रोहित शर्मा, केएल राहुल, विराट कोहली, शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल

यशस्वी जायसवाल अपने इस पहले शतक के साथ ही भारत के लिए साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे शतक बनाने वाले सबसे युवा क्रिकेटरों में शामिल हो गए हैं। यशस्वी इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए हैं। यशस्वी ने 23 साल 343 दिन की उम्र में अपना पहला वनडे शतक बनाया है। पहले नंबर पर मौजूद सचिन तेंदुलकर ने 23 साल 234 दिन की उम्र में मुंबई में 1996 में वनडे शतक बनाया था, जबकि दूसरे नंबर पर युवराज सिंह हैं। युवराज सिंह ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ साल 2005 में 23 साल 339 दिन की उम्र में हैदराबाद में शतक बनाया था।

विराट कोहली ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज दो शतक और एक फिफ्टी के साथ खत्म की है। इस परफॉर्मेंस के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया है। यह विराट कोहली का वनडे फॉर्मेट में 12वां प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड है। इसके साथ ही उन्होंने श्रीलंका के सनथ जयसूर्या को पीछे छोड़ दिया है। जयसूर्या को 11 बार प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था। अब सबसे ज्यादा बार यह अवॉर्ड जीतने वाली लिस्ट में केवल सचिन तेंदुलकर ही विराट कोहली से आगे हैं। सचिन तेंदुलकर ने 12 बार वनडे सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड हासिल किया था।

टेस्ट, वनडे के बाद अब टी20 की बारी, जानें कब, कहां और कैसे देख सकेंगे भारत बनाम साउथ अफ्रीका

एजेंसी नई दिल्ली

भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज 2-1 से शानदार तरीके से जीत ली है। अब दोनों टीमें 9 दिसंबर से शुरू होने वाली पांच मैचों की T20 सीरीज के लिए कमर कस चुकी हैं।

यह सीरीज आगामी T20 विश्व कप 2026 की तैयारियों के लिए दोनों देशों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिलेगा।

वनडे सीरीज में घरेलू मैदान पर अपनी मजबूत बादशाहत को बरकरार रखने के बाद, भारत अब T20 फॉर्मेट में अपनी ताकत दिखाने को तैयार है। इस T20 सीरीज में टीम इंडिया की कमान विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव संभालेंगे। वहीं, शुभमन गिल उपकप्तान के तौर पर वापसी करेंगे, जिससे बल्लेबाजी क्रम को और मजबूती मिलेगी। यह सीरीज T20 विश्व कप 2026 से पहले अपनी रणनीति और खिलाड़ियों को परखने का एक अहम मौका है। भारतीय टीम में जहां अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा और हर्षित राणा जैसे युवा खिलाड़ी शामिल हैं, वहीं साउथ अफ्रीका की टीम में ऐडेन मार्कराम, क्विंटन डी कॉक और डेविड मिलर जैसे अनुभवी खिलाड़ी मौजूद हैं।

मैच	तारीख	स्थान	समय
पहला T20	9 दिसंबर	कटक	शाम 7 बजे
दूसरा T20	11 दिसंबर	चंडीगढ़	शाम 7 बजे
तीसरा T20	14 दिसंबर	धर्मशाला	शाम 7 बजे
चौथा T20	17 दिसंबर	लखनऊ	शाम 7 बजे
पांचवां T20	19 दिसंबर	अहमदाबाद	शाम 7 बजे

सभी मैचों के लिए टॉस शाम 6:30 बजे होगा। इन रोमांचक मुकाबलों का लाइव प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क के चैनलों पर और लाइव स्ट्रीमिंग जियो हॉटस्टार पर उपलब्ध होगी।

टीम इंडिया: सूर्यकुमार यादव(कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, संजू सैमसन, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वाशिंगटन सुंदर।

साउथ अफ्रीका: ऐडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनाइल बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी जोर्जी, डोनोवोन फरेरा, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसेन, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, ट्रिस्टन स्टब्स, एनरिक नॉर्खिया, डेविड मिलर, जॉर्ज लिंडे, क्वेना मफाका।

व्यापार

दुनिया के सबसे अमीर शख्स की कंपनी ला रही है आईपीओ, क्या पैसा लगाना चाहेंगे?

एजेंसी नई दिल्ली

दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स (SpaceX) आईपीओ लेकर आने की योजना बना रही है। कंपनी ने अपने निवेशकों और वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधियों को बताया है कि वह अगले साल के दूसरे हिस्से में आईपीओ लेकर आ सकती है। स्पेसएक्स पूरी कंपनी को शेयर बाजार में उतारने पर विचार कर रही है। इसमें स्टारलिंक (Starlink) भी शामिल है, जो उनकी सैटेलाइट इंटरनेट सेवा है।

एलन मस्क ने साल 2020 में कहा था कि स्पेसएक्स स्टारलिंक को कुछ साल बाद लिस्ट करने की योजना बना रहा है। ऐसा तब होगा जब उसकी कमाई में लगातार और अनुमानित बढ़ोतरी होने लगेगी। यह संभावित आईपीओ की खबर ऐसे समय आई है जब मीडिया में एक और रिपोर्ट आई थी कि स्पेसएक्स एक सेकेंडरी शेयर बिक्री शुरू कर रहा है। इस बिक्री से कंपनी का मूल्यांकन 800 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। इससे वह ओपनएआई (OpenAI) के साथ सबसे मूल्यवान प्राइवेट कंपनी बनने की दौड़ में शामिल हो जाएगी।

800 अरब डॉलर का यह मूल्यांकन स्पेसएक्स को चैटजीपीटी (ChatGPT) बनाने वाली कंपनी ओपनएआई से आगे कर देगा। क्रंचबेस के आंकड़ों के मुताबिक, ओपनएआई (OpenAI) का मूल्यांकन अक्टूबर में 500 अरब डॉलर था, जो इसे दुनिया की सबसे मूल्यवान प्राइवेट कंपनी बनाता है। इसके अलावा स्पेसएक्स अंदरूनी शेयर बेचने की तैयारी कर रहा है। इन शेयरों की प्रति शेयर कीमत लगभग 300 डॉलर हो सकती है, जिससे कंपनी का कुल मूल्यांकन लगभग 560 अरब डॉलर हो जाएगा।

स्पेसएक्स कंपनी अमेरिकी सरकार के लिए एक अहम पार्टनर बन गई है। यह सैटेलाइट और अंतरिक्ष यात्रियों को लॉन्च करती है। इसकी स्टारलिंक नाम की इंटरनेट सेवा दुनिया भर में इस्तेमाल हो रही है। इसमें अमेरिका के दूरदराज के इलाके और यूक्रेन का युद्धग्रस्त क्षेत्र भी शामिल है। स्टारलिंक के अब आठ मिलियन से ज्यादा एक्टिव ग्राहक हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, कई निवेशक मानते हैं कि इसी वजह से कंपनी का मूल्यांकन बढ़ रहा है।

पैसे संभाल कर रखिए, ICICI Pru AMC और वेकफिट समेत ये 12 आईपीओ आ रहे हैं अगले सप्ताह

एजेंसी मुंबई

अगले हफ्ते भारतीय शेयर बाज़ार में काफी हलचल देखने को मिलेगी। मेनबोर्ड और एसएमई सेगमेंट में कुल 12 आईपीओ (IPO) सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे। सोमवार, 8 दिसंबर से 12 दिसंबर 2025 के बीच आने वाले ये आईपीओ बाजार से करीब 14,000 करोड़ रुपये जुटाएंगे। इसमें आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट (ICICI Prudential Asset Management) का बहुप्रतीक्षित आईपीओ भी शामिल है, जो आईपीओ 12 दिसंबर को आ सकता है। इस आईपीओ की गहमागहमी की शुरुआत अगले सोमवार यानी 8 दिसंबर से होगी। इसी दिन कोरोना रेमेडीज़ (Corona Remedies) और वेकफिट इनोवेशंस (Wakefit Innovations) के आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे। ये दोनों मेनबोर्ड आईपीओ हैं। इसी दिन के.वी. टॉयज इंडिया, प्रोडॉक्स सॉल्यूशंस और रिद्धि डिस्प्ले इक्विपमेंट्स के आईपीओ भी खुल रहे हैं। ये तीनों बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

कोरोना रेमेडीज एक मध्यम आकार की फार्मा कंपनी है, जिसकी घरेलू बिक्री में अच्छी ग्रोथ देखी जा रही है। यह कंपनी 655.37 करोड़ रुपये का ऑफर फॉर सेल (Offer for Sale) लाएगी। इसके शेयर की कीमत 1,008 से 1,062 रुपये प्रति शेयर के बीच तय की गई है। कंपनी के पास महिलाओं के स्वास्थ्य, कार्डियो-डायबिटीज और दर्द निवारक दवाओं का एक बड़ा पोर्टफोलियो है। पूरे भारत में इसका मार्केटिंग नेटवर्क भी काफी मजबूत है। इस कंपनी की लगातार मुनाफे वाली स्थिति और बढ़ते वितरण नेटवर्क को देखते हुए, एंकर बिडिंग (Anchor Bidding) में निवेशकों की अच्छी दिलचस्पी रहने की उम्मीद है।

फर्नीचर और होम सॉल्यूशंस ब्रांड वेकफिट इनोवेशंस (Wakefit Innovations) भी इसी दिन अपना 1,288.89 करोड़ रुपये का आईपीओ खोलेगा। इसके शेयर की कीमत 185 से 195 रुपये प्रति शेयर रखी गई है। वेकफिट, जो ऑनलाइन गद्दे बनाने और बेचने के लिए जानी जाती है और अब घर के दूसरे सामान भी बनाती और बेचती है। यह इस महीने के सबसे ज़्यादा देखे जाने वाले कंज्यूमर इंटरनेट लिस्टिंग में से एक है। बाज़ार इस बात के संकेत देखना चाहता है कि क्या लोग गैर-ज़रूरी सामानों पर खर्च करने के लिए तैयार हैं। सोमवार को ही इसके अलावा, टेक-आधारित डॉक्यूमेंट मैनेजमेंट फर्म प्रोडॉक्स सॉल्यूशंस (Prodocs Solutions) का छोटा, 27.6 करोड़ रुपये का आईपीओ आ रहा है। इसी दिन रिद्धि डिस्प्ले इक्विपमेंट्स (Riddhi Display Equipments) का आईपीओ भी है, जो 8 दिसंबर को खुला कर 10 दिसंबर को बंद होगा। इसके अलावा, केवी टॉयज इंडिया का आईपीओ इसी दिन खुल कर 37.74 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में है।

सरकार का बड़ा एक्शन, पूरे देश में एयरफेयर की कीमतें फिक्स, 18,000 तक की सीमा लागू

एजेंसी नई दिल्ली

सरकार ने इंडिगो की फ्लाइट्स में भारी गड़बड़ी और टिकटों के बेतहाशा बढ़ते दामों पर लगाम लगाने के लिए सख्त कदम उठाया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने शनिवार को सभी एयरलाइंस के लिए किराए की ऊपरी सीमा तय कर दी है ताकि वे यात्रियों से मनमानी वसूली न कर सकें। यह फैसला तब लिया गया जब यात्रियों की ओर से लगातार शिकायतें आ रही थीं कि एयरलाइंस परिचालन में आई दिक्कतों का फायदा उठाकर बहुत ज्यादा किराया वसूल रही हैं। मंत्रालय ने कहा है कि वह इस स्थिति पर 'गंभीरता से' ध्यान दे रहा है। उसने अपनी नियामक शक्तियों का इस्तेमाल करके यह सुनिश्चित किया है कि एयरलाइंस 'निष्पक्ष और उचित' दाम बनाए रखें। सभी एयरलाइंस को इस नए नियम का तुरंत पालन करने का आदेश दिया गया है। यह किराया सीमा तब तक लागू रहेगी जब तक देश भर में फ्लाइट ऑपरेशन सामान्य नहीं हो जाते। नई तय की गई किराए की सीमा के अनुसार, 500 किलोमीटर तक की दूरी वाली उड़ानों के लिए अधिकतम किराया 7,500 रुपये होगा। 500 से 1,000 किलोमीटर तक के रूट पर अधिकतम 12,000 रुपये, 1,000 से 1,500 किलोमीटर तक के रूट पर अधिकतम 15,000 रुपये और 1,500 किलोमीटर से ज्यादा लंबी उड़ानों के लिए अधिकतम किराया 18,000 रुपये तय किया गया है। यह नियम सभी एयरलाइंस और बुकिंग प्लेटफॉर्म पर एक समान लागू होगा। सरकार का कहना है कि इस कदम का मकसद उस समय मुनाफाखोरी को रोकना है जब हजारों यात्री, जिनमें बुजुर्ग, छात्र, मरीज और फंसे हुए परिवार शामिल हैं, पहले से ही यात्रा को लेकर अनिश्चितताओं का सामना कर रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि जरूरी यात्रा को किफायती बनाए रखना जनहित का मामला है। खासकर तब जब यात्रियों के नियंत्रण से बाहर की वजहों से दिक्कतें आ रही हों।

बंद ताले से करें ये 4 टोटके, खुल जाएगी किस्मत, जीवन के दुख और आर्थिक संकट होगा दूर

कई बार जीवन में कड़ी मेहनत करने के बाद भी सफलता प्राप्त नहीं होती है। साथ ही, बनते हुए कार्यों में भी अड़चनों का सामना करना पड़ता है और आर्थिक संकट आने लगता है। ऐसे में शास्त्रों में कुछ ऐसे उपाय बताए गए हैं जिन्हें करने से जातक की किस्मत खुल सकती है।

मान्यताओं के अनुसार लोहे के ताले से जुड़े टोटके जातक को जीवन के दुखों और आर्थिक संकट से मुक्ति दिला सकते हैं।

हर मनुष्य अपने बेहतर जीवन, करियर और भविष्य के लिए दिन-रात मेहनत करता है।

लेकिन कई बार कड़ी मेहनत और प्रयासों के बाद भी अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते हैं। साथ ही, बनते-बनते कार्यों में भी अड़चनें आने लगती हैं। इसके ज्योतिषशास्त्र में कई कारण बताए गए हैं। ज्योतिष में कुछ ऐसे उपायों का वर्णन भी मिलता है जिन्हें करने से जातक को जीवन के दुखों और आर्थिक संकट से मुक्ति मिल सकती है। मान्यता है कि लोहे के ताले से कुछ टोटके करने से जातक की बंद किस्मत खुल सकती है। साथ ही, नौकरी, व्यवसाय और आर्थिक समस्याओं से भी निजात मिल सकती है। आइए विस्तार से जानें लोहे के ताले से जुड़े टोटके...

अगर नौकरी या व्यवसाय के क्षेत्र में आपके काम में बार-बार बाधाएं आ रही हैं तो इसके लोहे के ताले से एक सरल उपाय कर सकते हैं। सबसे पहले दुकान से एक नया ताला ले आएं। उस दौरान इस बात का ध्यान रखें की ताले को चाबी से गलती से भी नहीं खोलना है। साथ ही, दुकानदार से भी ताला बगैर खुलवाए घर ले आएं। अब इसे लाकर अपने मंदिर में रख दें। फिर, पूजा के बाद ताले को उठाकर घर से दूर किसी स्थान पर या मंदिर के सामने ताला दान करें। इस टोटके को करने से जरूरी कार्यों में आ रही बाधाएं दूर होने लगती हैं। यह टोटका आप शनिवार या मंगलवार के दिन कर सकते हैं।

जीवन की समस्याओं और आर्थिक संकट से मुक्ति पाने के लिए एक नया ताला खरीद लाएं। उस ताले को बिना खुलवाए लेकर आएं और खुद भी ताला चाबी से न खोलें। इसके बाद, शाम के वक्त स्नानादि करके साफ वस्त्र धारण करें और ताले को मंदिर में लेजाकर विधि-विधान से पूजा-पाठ करने के पश्चात ताला घर ले आएं। अब इसे रात में अपने तकिए के नीचे रखकर सोएं। लेकिन ध्यान रखें की ताले और चाबी को एक साथ नहीं रखना है। इस टोटके को श्रद्धा पूर्वक करने से जातक के ऊपर माता लक्ष्मी की विशेष आशीर्वाद बना रह सकता है। साथ ही, आर्थिक संकट से छुटकारा मिलता है।

अगर आप लगातार व्यापार या नौकरी से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रहे हैं और तरक्की में बाधाएं आ रही हैं तो इसके लिए एक ताले का टोटका किया जा सकता है। इसके लिए एक स्टील या लोहे का नया ताला खरीद लाएं। इस दौरान दुकानदार से ताला न खुलवाएं और न ही उसे खुद खोलने का प्रयास करें। बंद ताले को घर लाकर उस पर थोड़ा सा काजल का तिलक लगाएं। इसके बाद ताले को भगवान हनुमान के सामने रखें और अगले दिन मंदिर के सामने किसी को ताला दान कर दें। इस टोटके को करने से जातक की सफलता और व्यवसाय में आने वाली बाधाएं दूर हो सकती हैं। साथ ही, करियर में उन्नति के नए मार्ग खुलने लगते हैं।

इसके लिए एक नया ताला शनिवार से पहले ही खरीदकर रख लें और शनिवार को सुबह स्नानादि करके साफ वस्त्र धारण करें। अब ताले को बिना खोले हुए शनि मंदिर में लेजाकर अर्पित कर दें और बिना मुड़े अपने घर वापस आ जाएं।

इस टोटके को शनिवार के दिन बिना किसी से बताए चुपचाप करना चाहिए। साथ ही, लोहे से जुड़ी वस्तु शनिवार को खरीदनी वर्जित मानी गई है। ऐसे में ताले को एक दिन पहले ही खरीदकर रख लेना चाहिए। इस टोटके को करने से जातक को जीवन के दुखों से मुक्ति मिल सकती है और घर में सुख-समृद्धि आती है।

आपके आचरण मात्र से भी शांत हो सकते हैं ग्रह, मिलेगा शुभ प्रभाव

हम सभी जानते हैं कि जैसे मनुष्य कर्म करता है, उसको उसी प्रकार का फल प्राप्त होता है। कर्म फल भी रूप परिवर्तित कर व्यक्ति को देर-सवेर सुख-दुख के रूप में प्राप्त होता है। विज्ञान की भाषा में जिस प्रकार पदार्थ कभी नष्ट नहीं होता है, उसका केवल रूप बदल जाता है, उसी प्रकार किया गया कर्म भी कभी निष्फल नहीं होता है। अपने पूर्व जन्मों में किए गए पापों से रुष्ट ग्रहों को प्रसन्न करने के लिए उपासना, यज्ञ, रत्न धारण आदि का विधान प्राचीन ग्रंथों में वर्णित है। अनुभव में आया है कि यदि हम लोग जड़ की अपेक्षा सीधे जीव से संबंध स्थापित करें, तो ग्रह अति शीघ्र प्रसन्न हो सकते हैं।

धर्मशास्त्रों में सफलता के सूत्र, संकेतों के रूप में रहते हैं। मातृ देवो भव, पितृ देवो भव, गुरु देवो भव, अतिथि देवो भव, वेद वाणी है। इसी प्रकार शास्त्र कहता है, मात्र प्रणाम करने से, सदाचार के पालन से एवं नित्य वृद्धों की सेवा करने से आयु, विद्या, यश व बल की वृद्धि होती है। यदि हम जीवों के प्रति परोपकार की भावना रखें, तो अपनी कुण्डली में रुष्ट ग्रहों की रुष्टता को न्यूनतम कर सकते हैं। हर व्यक्ति पर किसी न किसी ग्रह का अपना एक विशेष प्रभाव रहता है, इस प्रकार का विशेष प्रभाव उसके आचार-विचार, व्यवहार व जीवन की कुछ विशेष व प्रमुख घटनाओं के माध्यम से प्रकट होता है। नौ ग्रह इस चराचर जगत में पदार्थ, वनस्पति, तत्व, पशु-पक्षी इत्यादि सबमें अपना प्रतिनिधित्व समाहित रखते हैं। इसी तरह ऋषि, महर्षियों ने पारिवारिक सदस्यों और आसपास के लोगों में भी ग्रहों का प्रतिनिधित्व बताया है।

सूर्य आत्मा के साथ-साथ पिता का प्रतिनिधित्व करता है और चंद्रमा मन के साथ-साथ माता का, मंगल पराक्रम के साथ-साथ छोटे भाइयों का, शनि दुःख के साथ सेवक का, बृहस्पति ज्ञान के साथ गुरू एवं बड़े भाई तथा उनके समकक्ष लोगों का, बुध वाणी के साथ-साथ मामा का, शुक्र ऐश्वर्य के साथ जीवनसाथी का कारक है। इसे ऐसे भी समझा जा सकता है, कि जीवनसाथी को कष्ट देने पर शुक्र प्राकृतिक तौर पर निर्बल होने लगता है, जिसके कारण व्यक्ति का ऐश्वर्य कम हो जाता है।

यदि सूर्य ग्रह रुष्ट है तो पिता को प्रसन्न करें, चंद्र पीड़ादायक हो तो माता अथवा माता समान स्त्रियों को प्रसन्न करें, मंगल कष्टकारी है तो छोटे भाई व बहन को प्रसन्न करें, बुध पीड़ादायक है तो मामा एवं बंधुओं को प्रसन्न करें, बृहस्पति रुष्ट है तो गुरुजन एवं वृद्धों को प्रसन्न करें, शुक्र रुष्ट है तो पत्नी को प्रसन्न करें, शनि कष्ट दे रहा हो तो दास-दासी को प्रसन्न करें, राहु कष्टकारी है तो अंगहीन को प्रसन्न करें और यदि केतु अप्रसन्न है तो दीन-हीन, रोगी की सहायता करें। यदि हम प्रेम, सत्कार व आदर का भाव रखकर ग्रहों के प्रतिनिधि के साथ उचित व्यवहार करें तो निश्चित ही रुष्ट ग्रह अपनी कोपता को त्याग कर शांत होंगें। अनुभव में आया है कि यदि ग्रह के प्रतिनिधि जीवों से संबंध खराब हों तो उपासना, पूजन, जप-तप और दान सब कुछ निष्फल ही रहते हैं।

आर्थिक राशिफल : चंद्रमा-गुरु बना रहें शक्तिशाली गजकेसरी राजयोग, इन राशियों को मिलेगी धन-संपत्ति

मेष राशि वालों के कार्यक्षेत्र में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं। ये परिवर्तन आपके पक्ष में रहेंगे। आज का दिन परोपकार में व्यतीत होगा। कार्यक्षेत्र का माहौल सामान्य बना रहेगा। सहयोगियों का पूरा समर्थन मिलेगा। पत्नी के स्वास्थ्य पर थोड़ा ध्यान देना होगा। रात में पत्नी का स्वास्थ्य खराब होने के कारण कुछ परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

वृष का करियर राशिफल : आज का दिन पारिवारिक जनों के साथ सुखद बीतेगा। भाग्य का साथ मिलेगा और दोपहर तक हर्ष वर्धक शुभ समाचार भी मिल सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। सायंकाल के समय चिर प्रतीक्षित अतिथि के आगमन से आपका मन प्रसन्न होगा। रात्रि में किसी मांगलिक कार्य में सम्मिलित होने का मौका मिलेगा। इससे आपका सम्मान भी बढ़ेगा।

मिथुन का करियर राशिफल : मिथुन राशि के जातकों को आज किसी बहुमूल्य वस्तु की प्राप्ति हो सकती है। पिता के आशीर्वाद और उच्चाधिकारियों की कृपा से संपत्ति की प्राप्ति की अभिलाषा आज पूरी होगी। काम-काज में व्यस्तता अधिक रहेगी। आज व्यर्थ के खर्चों से बचें। शाम से लेकर रात तक तेज चलने वाले वाहनों का प्रयोग करते समय सावधानी बरतें। प्रिय लोगों के दर्शन से मनोबल बढ़ेगा। पत्नी पक्ष से भी आपको समर्थन मिलेगा।

कर्क का करियर राशिफल : राशि स्वामी की उत्तम स्थिति एवं राशि पर बृहस्पति का मिथुन में होकर परिभ्रमण अकस्मात बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति कराएगा। इससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। इस दौरान व्यावसायिक योजनाओं को गति मिलेगी। आपके मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जल्दबाजी में लिया गया निर्णय आगे चलकर पश्चाताप का कारण बन सकता है। शाम के समय देव दर्शन का लाभ मिलेगा।

सिंह का करियर राशिफल : सिंह राशि के जातकों को राजनीतिक क्षेत्र में अप्रत्याशित रूप से सफलता मिलेगी। संतान के प्रति दायित्व भी आज के दिन पूरे होंगे। प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे। लंबे समय से रुका हुआ कार्य भी आज सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ा सतर्क रहना होगा। आज के दिन पाचन या आंखों से संबंधित कोई परेशानी हो सकती है। सायंकाल से लेकर रात्रि का समय प्रियजनों के साथ हास्य परिहास में बीतेगा। इस दौरान आपको खान-पान का विशेष ध्यान रखना होगा।

कन्या का करियर राशिफल : कन्या राशि के जातक अगर आज अपने काम में तत्परता दिखाएंगे, तो आपको उससे अच्छा मुनाफा मिलेगा। इस दौरान

परिवार के लोगों का भी साथ मिलेगा। परिवार में किसी मंगल कार्य के आयोजन से खुशी मिलेगी। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा। विपरीत परिस्थिति उत्पन्न होने पर आपको क्रोध पर काबू रखना होगा। घर-परिवार में चल रही किसी समस्या का हम निकलेगा। राजकीय मदद भी मिलती हुई दिख रही है। सूर्यास्त के समय अचानक लाभ के योग बनेंगे।

तुला का करियर राशिफल : आज शिक्षा व प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि मिलने के योग बन रहे हैं। इस दौरान भाग्य का साथ मिलेगा और आय के नये स्रोत बनेंगे। प्रभावशाली ढंग से बोलने की आपकी कला आपको विशेष सम्मान दिलाएगी। भागदौड़ अधिक रहने के कारण मौसम का विपरीत प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। ऐसे में आपको सावधान रहना होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य पर्याप्त मात्रा में मिलेगा। यात्रा आपके लिए सुखद अनुभव लेकर आएगी।

वृश्चिक का करियर राशिफल : आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। ऐसे में धन, सम्मान, यश, कीर्ति की वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सिद्ध होता दिख रहा है। प्रियजनों से लंबे समय बाद भेंट हो सकती है। हालांकि, आपको अपनी वाणी पर संयम रखना होगा। ऐसा न करने पर विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। रात के समय सैर-सपाटे और मौज मस्ती का अवसर प्राप्त होगा।

धनु का करियर राशिफल : आज के दिन घर की जरूरत की चीजों पर अधिक धन का खर्चा हो सकता है। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में कर्मचारी या किसी करीबी के कारण तनाव बढ़ सकता है। रुपये पैसे के लेन-देन में सावधानी बरतें। धन के फंसने के योग दिख रहे हैं। दिन के समय कोर्ट कचहरी के चक्कर काटने पड़ सकते हैं। हालांकि, अंत में आपकी ही विजय होगी। आपके विरूद्ध किए जा रहे षड़यंत्र विफल हो जाएंगे।

मकर का करियर राशिफल : आज व्यावसायिक क्षेत्र में मन के अनुकूल लाभ मिलेगा। आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में अधिक बेहतर होगी। व्यवसाय परिवर्तन की योजना भी बन सकती है। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता और पारिवारिक उत्तरदायित्व पूर्ण होंगे। सायंकाल में धार्मिक स्थानों की यात्रा का प्लान बनकर स्थगित हो जाएगा। इस दौरान वाहन का प्रयोग करते समय सावधानी बरतें। अचानक वाहन के खराब हो जाने से खर्च बढ़ सकता है।

कुंभ का करियर राशिफल : राशि स्वामी शनि की मध्यम स्थिति के कारण पत्नी को अकस्मात् शरीर कष्ट हो सकता है। इस कारण आपको भागदौड़ करनी पड़ेगी और खर्चे भी अधिक होंगे। किसी संपत्ति को खरीदते या बेचते समय सतर्क रहें और उसके सभी संवैधानिक पहलुओं पर गंभीरता से विचार कर लें। सायंकाल के समय पत्नी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। हालांकि, पूरी तरह से ठीक होने में थोड़ा समय लगेगा।

मीन का करियर राशिफल : मीन राशि के जातकों का वैवाहिक जीवन आनन्द दायक बीतेगा। आज पास व दूर की यात्रा पर जाना पड़ सकता है। बिजनेस में मिल रही सफलता से आपको काफी खुशी होगी। इस दौरान विद्यार्थियों को मानसिक भार से छुटकारा मिलेगा। सायंकाल के समय घूमने फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। इस दौरान आपका दिमाग रिलेक्स रहेगा। माता-पिता की सलाह-आशीर्वाद आपके लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

आंखों में छिपा है जीवन का रहस्य, ग्रहों के माध्यम से जानें नेत्र से व्यक्तित्व

'ज्योतिषं वेदानां चक्षु', ज्योतिष वेदों का नेत्र है और नेत्र मानव शरीर का एक ऐसा अंग है, जिसके बिना मनुष्य का जीवन ही व्यर्थ हो जाता है। फलतः ज्योतिष और नेत्र दोनों का अन्योन्याश्रित संबंध है। जिस प्रकार जन्मांग देखकर प्रत्येक अंग की गणना की जा सकती है, उसी प्रकार नेत्र अथवा शरीर के किसी अंग को देखकर व्यक्तित्व में अंतर्निहित भविष्य को भी जाना जा सकता है। नेत्र हृदय का प्रवेश द्वार है, इनसे प्रेम भाव, चरित्र, कला, कुशलता, मनोभाव, आतंरिक शक्तियों का बोध होता है। ज्योतिष न जानने वाला भी व्यक्ति नेत्रों के लक्षण के आधार पर किसी व्यक्ति के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकता है। नेत्रों से संबंधित कुछ लक्षण शास्त्रों में इस प्रकार बताये गये हैं-

जो स्त्रियां नीचे की ओर नेत्र कर चलती हैं तथा जो पुरुष ऊपर की ओर नेत्र करके चलते हैं वे प्रायः अंतर्मुखी होते हैं।

जहां बड़ी आखें अच्छे इंसान की द्योतक हैं, वहीं छोटी, संकुचित आंखों पर शनि ग्रह का प्रभाव माना गया है।

जानकारों के अनुसार वे गहन विचार वाले तो हो सकते हैं परंतु शंकालु, अविश्वासी, आलसी और कंजूस होने से कोई रोक नहीं सकता।

सुंदर, श्वेत तथा बड़ी आंखें अंदर के व्यक्तित्व का अहसास कराती हैं।

आंखे चुराने वाला संदिग्ध का प्रतीक होता है।

अंदर धंसी हुई आंखे, अव्यवस्थित चित्त, बाघ जैसी आंखे प्रभावी व्यक्तित्व, भेड़ जैसी आंखे अव्यवस्थित होने का संकेत देती हैं।

घोड़े वाली आंखे स्त्रियों के लिए रोगकारक, सर्प की आंख उदंडता का संकेत देती हैं।

बंदर, बिल्ली, भालू, इस रंग की आंखे क्रमशः अस्थिरता, रहस्यमय एवं निर्दयता का सूचक हैं।

मुर्गे जैसी आंखे साहस, मछली जैसी आंखे अस्थिरता तथा आलस्यपन, काली आंखे उदारता तथा नीले रंग की आंखे बुद्धिमत्ता तथा विचारवान होने का संकेत देती हैं।

जिन आंखों का कोना नीचे दबा हुआ हो वे निरुत्साही जीवन तथा उदासीनता का प्रतीक हैं।

नगर पालिका अध्यक्ष का कार्मिक भूख हड़ताल पर बैठे नेताओं से सद्भाव पूर्वक चर्चा

कांग्रेस के नेताओं ने माना जलावर्धन योजना बहुत अच्छी योजना लेकिन अनावश्यक वसूल रहे पैसा

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

नगर पालिका परिषद कार्यालय के सामने पिछले 6 दिनों से कांग्रेस के नेताओं के माध्यम से क्रमिक भूख हड़ताल का दौर जारी है। शनिवार को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर नगर पालिका प्रांगण में लगी डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्तर पर कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के माध्यम से सद्भाव पूर्ण एवं भाईचारे के साथ पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित करने का कार्य किया, तत्पश्चात सारनी मंडल के महामंत्री नन्हे सिंह की पहल पर क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठे नेता और नगर पालिका अध्यक्ष के बीच उनके कार्यालय में सद्भाव पूर्वक चर्चा हुई जिस पर कांग्रेस की तरफ से वरिष्ठ नेता मोहम्मद इलियास के माध्यम से नगर पालिका अध्यक्ष को कहा गया कि निश्चित तौर से जलावर्धन योजना जो शुरू की गई है वह बहुत बेहतर योजना है और इसका लाभ गरीब परिवार को मिल रहा है लेकिन चार हजार रुपए की जो राशि नगर पालिका वसूल रही है वह ठीक नहीं है उन्होंने कहा कि किसी भी कनेक्शन पर मीटर नहीं लगाए गए हैं,जबकि मीटर चार्ज 17 सौ रुपए निर्धारित किया गया है उसके अलावा 460 रुपए का पीतल की टोटी (नाल) लगाने का काम किया गया है जबकि नाल किसी भी हितग्राही के घर में नहीं लगाए गए हैं। ऐसी स्थिति में इस राशि को काम किया जा सकता है उन्होंने यह भी कहा कि आमला,

बैतूल सहित अन्य स्थानों पर जो कनेक्शन चार्ज है वह केवल 18 सौ से 15 सौ की राशि के तहत लगाया जा रहा है। लेकिन सारनी नगर पालिका में यह राशि चार हजार वसूली जा रही है जो ठीक नहीं है उन्होंने कहा कि मीटर कनेक्शन का 17 सौ रुपए और नल के टोटी की कीमत दोनों को मिलाया जाए तो 22 रुपए कम हो जाएगा ऐसे में जनप्रतिनिधियों को आपस में बैठकर या फिर परिषद की बैठक बुलाकर एक प्रस्ताव लेकर जल आवर्धन योजना का प्रतिवेदन भेजने वाली संस्था को यह राशि कम करने के लिए भेजा जा सकता है। जिस पर नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि हम इस संपूर्ण योजना में तीसरी श्रेणी के हैं और इसकी देखरेख करने का कार्य लक्ष्मी इंजीनियर कंपनी को है और यह 10 वर्षों तक इसकी देखरेख करने का काम करेगी। प्रति माह बिजली का बिल 40 लाख

रुपए आ रहा है जबकि पानी की वसूली नहीं हो पा रही है। 40 लाख रुपए प्रति माह जमा कर पाना अब नगर पालिका के बूते के बाहर की स्थिति हो गई है ऐसे में 6 करोड रुपए की राशि जमा किए इस योजना पर चर्चा नहीं हो सकती है फिर भी एक प्रतिवेदन बनाकर शासन को भेजने पर सहमति बनी हालांकि कांग्रेस के पार्षद और कांग्रेस के नेताओं के माध्यम से स्पष्ट रूप से कह दिया गया है कि यह क्रमिक भूख हड़ताल बंद नहीं होगी। जिस बन नगर पालिका अध्यक्ष की माध्यम से कहा गया जी प्रस्ताव बनाकर शासन को बेचने का काम किया जाए इस बैठक में मुख्य रुप से मोहम्मद इलियास, प्रदीप नागले, प्रिटीस नागले, नन्हे सिंह, गोलू राजपूत,विनय मदने,राहुल कापसे, हेमंत धोटे,विक्की सिंह,पंचू खान, सुजीत चौधरी समेत दोनों राजनीतिक पार्टी के नेता इस बैठक में उपस्थित रहे।

चूरना मे शेर के पग बताकर करते है गुमराह

एसटीआर फ़ोर्स चूरना मे जंगल सफारी के नाम पर्यटकों से कर रही है लूट

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

विद्युत नगरी से 50 किलोमीटर दुरी पर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व फोर्स के द्वारा चुरना के जंगल मे जंगली जानवरो को दिखाने के लिए जंगल सफारी कराई जाती है। चुरना के जंगल मे रोजाना सैकडो के आसपास पर्यटक पंहुचते है।जंगल सफारी के नाम पर रोजाना हजारों रूपये वसुले जा रहे है,जंगल सफारी जाने वाले पर्यटको को प्रत्येक व्यक्ति 12 सौ रूपये चार्ज जमा करना पड़ता है।जंगल सफारी से जुड़े कर्मचारी पर्यटको को टाइगर के द्वारा जंगली जानवरों को किल यानी शिकार करने की जानकारी दी जाती है।टाइगर के मोमेंट की जानकारी मौके पर सही नहीं मिलती है।

एक व्यक्ति से 12 सौ रूपये लेते है चार्ज

चुरना के जंगल मे जंगल सफारी मे टाइगर किसी को देखने को नहीं मिला है,सफारी के दौरान केवल बायसन,रीछ,मोर, सांभर दिखाई देते है।बताया जाता है कि सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के कर्मचारी एवं गाईड जंगल सफारी डेढ़ से दो घंटे तक कराते है।जंगल सफारी के लिए पहले काउंटर पर रजिस्टेशन करना पड़ता है।धपाड़ा के पास एसटीएफ ने बेरियर बनाकर रखा है। बेरियर पर जंगल सफारी के लिए करीबन एक दर्जन वाहन खड़े रहते है।जंगल सफारी पर सारनी से गये शकील खान. नोशे खान ने कहा कि दूसरी बार जंगल सफारी पर चूरना के जंगल गए थे,दोनों ही बार टाइगर देखने को नहीं मिला है केवल टाइगर के पग मार्क बताकर गुमराह किया है। बताया जाता है कि धपाड़ा के पास अलीशन रिसोर्ट बनाये गये। जिसमे एक दिन रुकने के लिए 25 से 50 हजार तक के रूम है।हजारों रूपये खर्च करने के बाद भी टाइगर देखने को नहीं मिलते है,हालांकि सतपुड़ा टाइगर रिजर्व फ़ोर्स के द्वारा 30 से 40 टाइगर होने की बात कही जाती है।इतना मात्रा मे टाइगर होने के बाद भी आज तक किसी भी पर्यटक को टाइगर के दीदार नहीं हुए है।जानकर लोगो का मानना है कि जंगल सफारी की टाइमिंग सही नहीं होने के कारण टाइगर दिखाई नहीं देता है।सतपुड़ा टाइगर रिजर्व फ़ोर्स जंगल सफारी सुबह एवं शाम को 6 बजे तक कराई जाती है।जबकि सफारी के समय मे टाइगर का मोमेंट नहीं रहता है।पर्यटको ने सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व फोर्स से टाइगर के मोमेंट समय में जंगल सफारी करने की मांग की है। ताकि जंगल सफारी करने वाले लोगों को बाघ के दीदार हो सके।

शासकीय महाविद्यालय में डॉ भीमराव अंबेडकर की मनाई गई पुण्यतिथि

विद्यार्थियों को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के सिद्धांतों पर चलने की जरूरत

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

वीर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सरदार विष्णु सिंह उईके शासकीय महाविद्यालय महाविद्यालय सारनी में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुण्यतिथि कार्यक्रम आयोजित किया गया।महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा भारत रत्न डॉ.भीमराव अम्बेडकर की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई।कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में संविधान निर्माता डॉ. अम्बेडकर के आदर्शों,उनके सामाजिक योगदान एवं समतामूलक समाज की स्थापना के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को स्मरण कराना था।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं डॉ.अम्बेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर हुई। प्राचार्य प्रदीप पन्द्रम ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ.अम्बेडकर ने शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय के लिए जो संघर्ष किया, वह आज भी युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत है।इस अवसर पर स्वयं सेवकों द्वारा संवैधानिक मूल्यों पर भाषण, का आयोजन किया गया। छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लेकर डॉ.अम्बेडकर के जीवन और कार्यों से जुड़ी महत्वपूर्ण बातों को साझा किया।कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने राष्ट्र निर्माण और सामाजिक समानता के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर डॉ हरीश लोखंडे,मनोज नागले,डॉ अंजना संजय राठौर,डॉ गोल मान अहाके,अनुज हलदार, निकिता सोनी,लक्ष्मी नागले मोहन पवार समेत बड़ी संख्या में कार्यक्रम में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार विवाद में व्यापारी पर जानलेवा हमला, पुलिस ने आरोपी का जुलूस निकाला

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल जिले में बदमाशों ने एक किराना व्यापारी पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। हमलावरों ने व्यापारी की कार के कांच फोड़ दिए और डंडे से प्रहार किया। इसके बाद व्यापारी जमीन पर गिरकर बेसुध हो गए। इसके बाद भी बदमाश नहीं रुके। उन्हें पीटते रहे। घटना का वीडियो सामने आने के बाद इलाके में आक्रोश फैल गया। पुलिस ने शनिवार को मुख्य आरोपी शिवम उर्फ लाला को सोनाघाटी इलाके से पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद उसका जुलूस भी निकाला। घटना 2 दिसंबर को गंज थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। घायल व्यापारी की पहचान राहुल हिरानी के रूप में हुई है।

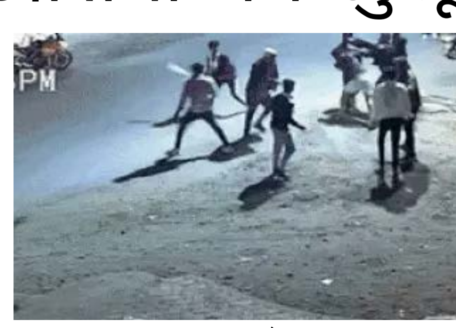

वीडियो में आठ से 10 बदमाश दिख रहे हैं, लेकिन पुलिस सिर्फ चार के फरार होने की बात कह रही है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी शिवम उर्फ लाला का आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। उसके खिलाफ पहले भी हत्या और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक, व्यापारी का आरोपी से कोई पुराना विवाद नहीं था। घटना की रात व्यापारी पान की दुकान पर खड़ा था। इसी दौरान आरोपी लाला का अन्य किसी व्यक्तियों से विवाद चल रहा था। इस विवाद के दौरान लाला ने व्यापारी की कार का कांच तोड़ दिया। इस पर व्यापारी ने विरोध जताया तो आरोपी ने बेसबॉल के बैट जैसे दिखने वाले डंडे से उस पर अपने अन्य साथियों के साथ हमला कर दिया। एसडीओपी सुनील लाटा के मुताबिक, सीसीटीवी के आधार पर आरोपी लाला को गिरफ्तार किया गया है। बाकी अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास के तीन मामले पहले से दर्ज है। गंज थाना पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है और सभी आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

डॉ भीमराव अंबेडकर की 69 वीं पुण्यतिथि भाजपा कार्यालय में मनाई गई

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय कार्यालय सारनी में शनिवार को संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर की 69 वीं पुण्यतिथि मनाने का काम किया गया। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने डॉ भीमराव अंबेडकर अमर रहे जय भीम जय भीम नारे के उद्घोष के साथ उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने का कार्य किया है। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय मंडल अध्यक्ष गोलू राजपूत ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि 6 दिसंबर सन 1956 को दिल्ली में लंबे समय से मधुमेह (शुगर) की बीमारी से जूझते हुए उनका निधन हो गया था उन्होंने आज विश्व के सबसे बड़े संविधान का निर्माण करके भारत को एक दिशा देने का काम किया है। उनके आकस्मिक मृत्यु होना ही हमारी सबसे बड़ी क्षति के रूप में माना जा सकता है। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष किशोर बरदे ने इस अवसर पर कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर का आकस्मिक निधन होना वाकई ही भारत के लिए घातक रहा है हमारे युवाओं को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी से प्रेरणा लेकर उनके पद चोन पर चलने का काम करना चाहिए।भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित

मोर्चा के सारनी मंडल अध्यक्ष योगेश बर्डे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की बदौलत ही हमें संविधान मिला है और उस संविधान के अनुरूप ही आज राजनीति हो या सार्वजनिक जीवन हो या फिर सामाजिक जीवन उसमें हमें आजादी मिली है उनके योगदान को भूल पाना असंभव है। भारतीय जनता पार्टी के सारणी मंडल महामंत्री नन्हे सिंह,विनय मदने ने कहा कि 14 अप्रैल को उनका जन्म दिवस आम्बेडकर जयंती के तौर पर भारत समेत दुनिया भर में मनाया जाता है। डॉक्टर आम्बेडकर की विरासत में लोकप्रिय संस्कृति में कई स्मारक और चित्रण शामिल हैं। उनका निधन 6 दिसंबर 1956 को हुआ, इसलिए हर साल 6 दिसंबर को महापरिनिर्वाण दिवस

आयोजित किया जाता है। अनुसूचित मोर्चा मंडल के सारनी महामंत्री राहुल कापसे, प्रकाश डहेरिया नहीं बताया कि उनकी मृत्यु दिल्ली में 6 दिसंबर 1956 को हुआ, इसलिए हर साल 6 दिसंबर को महापरिनिर्वाण दिवस आयोजित किया जाता है। इस अवसर आप भाजपा मंडल महामंत्री विनय मदने, नन्हें सिंह,विधायक प्रतिनिधि भीम बहादुर थापा,नारायण खातरकर,राजू साहू,निलेश राजवंशी,मुकेश उपराले, प्रवीण सोनी,चिंटू गजभिये, मुकेश यादव,यू.डी.देशमुख, संजीत चौधरी,सुधीर यादव,डॉ गणेश पाल,मिथुन दास,विधान मंडल,दिनेश साबले,अमर सिंह राणा,विन्नी राय समेत बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मधुवर मोहन द्विवेदी द्वारा इंडिपेंडेट प्रेस, 11 प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-1 भोपाल 462023 म.प्र. से मुद्रित एवं 201 ब्लाक ई, सागर प्रीमियम टावर जेके हॉस्पिटल, कोलार रोड, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित।
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) संपादक- सुनील यादव, समाचार संपादक- राहुल कौशिक। फोन नं. 0755-4262585-9425006706, मो. नंबर 9826697203, 9926288166, RNI.No. MPHIN/2020/78949